जब तक तुममें ईमानदारी, भक्ति और विश्वास है, तब तक प्रत्येक कार्य में तुम्हें सफलता मिलेगी।

देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जन जन जागरण

जनहित का सजग प्रहरी

Web Site: www.janjanjagran.com | झांसी और भोपाल से एक साथ प्रकाशित | झांसी, शनिवार 30 मई 2026 | वर्ष-15 अंक-281 पृष्ठ-08 मूल्य 3 रुपए

ब्रीफ न्यूज

कर्नाटक में जमीन विवाद को लेकर छह लोगों की हत्या

विजयपुर। कर्नाटक के विजयपुर जिले के चडचण तालुका के (भीमातीर क्षेत्र) गोविंदपुर गांव में जमीन विवाद को लेकर छह लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई। दो परिवारों के बीच लंबे समय से चल रहा विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

मृतकों की पहचान चंदू निराळे, दुंडप्पा निराळे, शिवपुत्र निराळे, राहुल निराळे, समर्थ निराळे और शब्बीर नदाफ के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच के अनुसार हमलावरों ने पहले धारदार हथियारों से हमला किया और बाद में गोली मारकर हत्या कर दी।

लू संकट पर एनजीटी ने लिया स्वतः संज्ञान, केंद्र, राज्यों से मांगी कार्ययोजना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने देश में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और लू संकट को लेकर स्वत: संज्ञान लिया है। एनजीटी ने माना कि जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों के कारण बढ़ता तापमान पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत गंभीर पर्यावरणीय मुद्दा है।

इस मामले में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, जलशक्ति मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों को पक्षकार बनाया गया है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से राहत, हटाई गई ग्रैप- 1 की पाबंदियां

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की हवा में सुधार देखने को मिल रहा है। गुरुवार को हवा और बारिश के बाद प्रदूषण के स्तर पर काफी कमी आई है। ऐसे में शुक्रवार शाम चार बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 123 दर्ज किया गया। इसके बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की उप-समिति ने क्षेत्र में लागू चरण-1 की सभी पाबंदियां तत्काल प्रभाव से हटा दीं।

उप-समिति की बैठक में बताया गया कि तेज हवाओं और हल्की बारिश के कारण दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक सुधरकर 29 मई 2026 को शाम 4 बजे 123 दर्ज किया गया, जो 卐मध्यम卐 श्रेणी में आता है।

गुवाहाटी में अरुणाचल सरकार की गाड़ी ट्रक से टकराई, महिला समेत चार की मौत

गुवाहाटी। गुवाहाटी के बाहरी क्षेत्र डिमोरिया में राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब अरुणाचल प्रदेश सरकार का एक वाहन सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से जा टकराया।फिलहाल, इस घटना में मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सरकारी वाहन तेज रफ्तार में था। इसी दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और सड़क किनारे खड़े खड़े ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

वाइस एडमिरल अजय कोचर बने नौसेना के 48वें उप प्रमुख, कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के रणनीतिकार रहे वाइस एडमिरल अजय कोचर ने शुक्रवार को नई दिल्ली में नौसेना स्टाफ के नए वाइस चीफ का पदभार संभाल लिया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के तहत नौसेना की महत्वपूर्ण संपत्तियों की आक्रामक फॉरवर्ड तैनाती को लागू करने में अहम भूमिका निभाई थी। वाइस एडमिरल कोचर ने वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन की जगह ली है, जिन्हें पश्चिमी नौसेना कमान का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया है। वाइस एडमिरल ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद साउथ ब्लॉक में उन्हें %गार्ड ऑफ ऑनर% दिया गया।

आंधी में बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल की स्लैब ढहने से छह मजदूरों की मौत, कई दबे होने की आशंका

बचाव काई के लिए एसडीआरएफ टीम जुटी जिले के तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौके पर

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बेतवा नदी पर बन रहे नए पुल की स्लैब व शटरिंग शुक्रवार तड़के आंधी और तूफान के बीच भरभराकर ढह गई। जिसके मलबे में दबकर छह मजदूरों की मौत हो गई। अभी कुल लोगों के मलबे दबे होने की आशंका है। पुलिस और प्रशासन के अफसर मौके पर पहुंच गए है। राहत एवं बचाव कार्ड के लिए एसडीआरएफ टीम को लगाया गया है।

जानकारी के मुताबिक जिले के ललपुरा क्षेत्र के परसनी और कंडौर के बीच बेतवा नदी पर एक नया पुल का निर्माण पिछले तीन सालों से चल रहा है। आज तड़के करीब तीन बजे सभी मजदूर निर्माणाधीन पुल के नीचे सो रहे थे। तभी तेज आंधी और तूफान के दौरान पुल की स्लैब शटरिंग भरभराकर ढह गई। हादसे के बाद कई मजदूर मलबे में दब गए। सूचना पाते ही पुलिस और सेतु निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ को लगाया गया है। अभी तक मलबे से चिल्ला बांदा निवासी लोकेन्द्र (24) पुत्र राधेश्याम निषाद, कुलदीप (21) पुत्र प्रेमचन्द्र निषाद, भूरागड़ बांदा निवासी सावंत (30), स्वासा ललपुरा हमीरपुर निवासी सभाजीत (30), पुष्पेन्द्र सिंह (35) व अछपुरा ललपुरा निवासी राजेश पाल (41) के शव निकाले गए है। मजदूरों ने राजेश, कल्लू व अवधेश समेत अन्य मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई है। बचाव दल ने पुल के पिलर में फंसे तीन मजदूरों को बचा लिया गया है।

ललपुरा थाना प्रभारी राकेश सरोज ने बताया कि हादसे के बाद राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है। बरामद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा रहा है।

बता दे कि हमीरपुर सदर विधानसभा क्षेत्र में राठ-हमीरपुर स्टेट हाइवे से परसनी, कंडौर होते हुए कुरारा फोरलेन हाइवे को जोडने के लिए ललपुरा थाना क्षेत्र के परसनी और कंडौर गांव के बीच बेतवा नदी पर एक नया पुल बन रहा है। इसके लिए 7912,24 लाख रुपये का प्रावधान किया गया था। इस पुल के लिए स्थानीय वासी राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद ने बड़ी पहल की थी। इसके बनने से कुरारा से मिर्जापुर झांसी हाइवे होते हुए परसनी की तरफ जाने में ये दूरी बहुत ही कम हो जाएगी।

26 गांवों के डेड़ लाख ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी राहतराज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद ने बताया कि बेतवा नदी पर एक नया पुल बनने से परसनी गांव के साथ ही मौराकांदर, बहरौली डांडा, कलौलीजार, उजनेड़ी, अछपुरा वहदीना, स्वासा बुजुर्ग, स्वासा खुर्द, कुम्हऊपुर, कुआं डेरा, कंडौर, बैजेमऊ इस्लामपुर, हरेहटा, पतारा, जखेला, नैठी, रिठारी, छानी खुर्द, छानी बुजुर्ग, देवीगंज समेत 26 गांव तेजी से विकसित होंगे। सांसद ने बताया कि ये ग्रामीण इलाके विकास में अभी बहुत पिछड़े है। शासन ने पुल बनाने के लिए हरी झंडी भी दे दी है

हमीरपुर हादसे पर मुख्यमंत्री योगी ने जताया शोक, मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख की आर्थिक मदद की घोषणा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हमीरपुर जिले में बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल का स्लैब ढहने में श्रमिकों की मौत पर गहरा शोक प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को पांच-पांच लाख रुपये तथा घायलों को पचास-पचास हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, गुरुवार देर रात कई जिलों में तेज आंधी-तूफान, बारिश के दौरान बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल का स्लैब ढह गया। इस हादसे में छह मजदूरों की मौत हो गई और अभी कुछ और मजदूरो के दबे होने की आशंका के चलते बचाव कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने हादसे को अत्यंत दु:खद एवं हृदयविदारक बताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को सरकार की ओर से पांच-पांच लाख रुपये की सहायता पहुंचाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने गुरुवार देर रात कई जिलों में तेज आंधी-तूफान, बारिश और आकाशीय बिजली से भारी तबाही का भी संज्ञान लेते हुए सभी जिलाधिकारियों को बचाव कार्य तेज करने, नुकसान का आकलन करने और राहत राशि जल्द जारी करने के निर्देश दिए हैं।

हमीरपुर हादसे को लेकर मुख्यमंत्री योगी ने तत्काल जिला प्रशासन को एसडीआरएफ के साथ मिलकर राहत एवं बचाव अभियान युद्धस्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए।

युवा ड्रग्स को कहे 'नो' और देश की प्रगति में बनें सहभागी: उपराष्ट्रपति

दावणगेरे। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि युवा पीढ़ी को मादक पदार्थों जैसी बुरी आदतों से दूर रहकर देश के विकास का दूत बनना चाहिए। आपकी बुद्धि और सोच पर आपका नियंत्रण होना चाहिए, किसी भी प्रकार के नशे का नहीं। इसलिए

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन शुक्रवार को कर्नाटक के दावणगेरे स्थित प्रतिष्ठित यूबीडीटी इंजीनियरिंग कॉलेज के अमृत महोत्सव समारोह में को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 1951 में स्थापित यूबीडीटी कॉलेज कर्नाटक का पहला सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज होने का गौरव रखता है। उन्होंने संस्थान की स्थापना में योगदान देने वाले ब्रह्मप्पा देवेंद्रप्प तावणप्पा तथा मैसूर के महाराजा जयचामराज वोडेयार के योगदान का भी स्मरण किया। राधाकृष्णन ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में इस संस्थान ने देश को 30 हजार से अधिक इंजीनियर दिए हैं। यह केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि देश की तकनीकी शिक्षा का गौरवशाली स्तंभ है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया तथा स्किल इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है।

धार्मिक और पूजा स्थलों पर भीड़ प्रबंधन, सार्वजनिक सुविधाओं के मामले में मॉडल स्टेट बनेगा मप्र: मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ माता वैष्णो देवी धाम का मुआयना करने के लिए जम्मू पहुंचा मप्र सरकार का प्रतिनिधिमंडल

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश को धार्मिक और पूजा स्थलों पर भीड़ प्रबंधन, सार्वजनिक सुविधाओं के मामले में मॉडल स्टेट बनाना जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात शुक्रवार को माता वैष्णो देवी धाम के लिए प्रस्थान करने से पहले जम्मू में स्थानीय मीडिया से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार राज्य के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन, सार्वजनिक सुविधाओं के विकास तथा सभी जरूरी नागरिक सेवाओं के विस्तार के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से देश के प्रमुख धार्मिक स्थानों पर भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी जरूरी व्यवस्थाओं का अवलोकन और अध्ययन किया जा रहा है, जिससे मध्य प्रदेश को श्रद्धालुओं के लिए एक मॉडल स्टेट के रूप में विकसित किया जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता वैष्णो देवी धाम में श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सभी व्यवस्थाओं का मुआयना करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल यहां आया हुआ है। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं पूजा स्थलों में उज्जैन का श्री महाकाल मंदिर, श्री महाकालेश्वर देवस्थान, श्री ओंकारेश्वर देवस्थान और भोजशाला शामिल हैं, जिसे हाल ही में माननीय हाईकोर्ट द्वारा मां वाग्देवी के मंदिर के रूप में मान्यता दी गई है।

उन्होंने कहा कि वैष्णो देवी धाम में माता का आशीर्वाद लेकर प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए प्रार्थना करने जा रहे है। उन्होंने कहा कि माता वैष्णो देवी मंदिर प्रबंधन द्वारा यहां एक विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज और कई सेवा संस्थान भी चलाए जा रहे हैं।

तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में वीआईपी दर्शन के नाम पर वसूली करने के मामले में पुजारी समेत चार लोग निलंबित

तिरुचेंदूर। तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले में स्थित प्रसिद्ध तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में वीआईपी दर्शन के नाम पर श्रद्धालुओं से अवैध वसूली का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री एस. रमेश से पैसे लेने के आरोप में एक पुजारी समेत चार लोगों को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही संबंधित पुजारी को अगले आदेश तक मंदिर सेवा से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

दरअसल, मंदिर में वीआईपी दर्शन कराने के नाम पर श्रद्धालुओं से अवैध वसूली की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। आरोप था कि कुछ पुजारी, सुरक्षाकर्मी और कर्मचारी श्रद्धालुओं से मोटी रकम लेकर उन्हें विशेष मार्ग से शीघ्र दर्शन करा रहे थे। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री एस. रमेश ने स्वयं जांच करने का निर्णय लिया।

मंत्री रमेश शुक्रवार सुबह आम श्रद्धालु की तरह मंदिर पहुंचे और 100 रुपये शुल्क वाली सामान्य दर्शन कतार में खड़े हो गए। इसी दौरान उन्होंने वहां मौजूद पुजारी अय्यप्पन से जल्दी दर्शन कराने की बात कही।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद चंबल में रेत माफिया पर शिकंजा, परिवहन सचिव ने दिखावटी कार्रवाई पर मांगी रिपोर्ट

भोपाल/ग्वालियर। मध्य प्रदेश के चंबल अंचल में अवैध रेत उत्खनन और उसके परिवहन को लेकर अब प्रदेश सरकार पूरी तरह सख्त नजर आ रही है। उच्चतम न्यायालय की तीखी टिप्पणियों और हालिया सुनवाई के बाद परिवहन विभाग से लेकर जिला प्रशासन तक में हलचल तेज हो गई है।सरकार ने भिंड, मुरैना और श्योपुर जिलों में परिवहन विभाग द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए कई गंभीर खामियों को चिन्हित किया है। परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव मनीष सिंह ने शुक्रवार को इस संबंध में परिवहन आयुक्त उमेश जोगा को पत्र लिखकर स्पष्ट रूप से नाराजगी जताई है।

पत्र में कहा गया है कि जिन मामलों में नियमों के तहत वाहनों की जब्ती और राजसात की कार्रवाई होना चाहिए थी, वहां केवल शमन शुल्क लेकर वाहनों को छोड़ दिया गया। इसे नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक लापरवाही माना गया है। दरअसल, गत 20 से 26 मई के बीच चंबल संभाग के जिलों में हुई कार्रवाई का ब्यौरा सामने आने के बाद विभागीय स्तर पर सवाल उठे हैं। श्योपुर जिले में बिना नंबर प्लेट के संचालित 11 वाहनों पर कार्रवाई की गई, लेकिन इनमें से केवल एक जेसीबी मशीन को जब्त किया गया। बाकी वाहनों को सिर्फ जुर्माना वसूलकर छोड़ दिया गया। अधिकारियों का यह रवैया अब जांच के घेरे में आ गया है। सचिव ने इसे बेहद गंभीर मामला बताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर किताब में सैनिकों के अनुभव संजोए गए, रक्षा मंत्री ने की लांच

पाकिस्तान से अब तक लड़े गए अन्य सभी युद्धों से अलग था ऑपरेशन सिंदूर: राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर एक पुस्तक जारी की, जिसमें सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को संजोया गया है। पुस्तक में बताया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर एक अभूतपूर्व सफलता थी, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को चार दिनों के भीतर ही युद्ध विराम के लिए विवश कर दिया। यह पुस्तक ऐतिहासिक विवरण से परे जाकर वीर सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को समेटती है। साथ ही आधुनिक युद्ध के मानवीय पहलू की वह झलक भी मिलती है, जहां नेतृत्व, साहस, दबाव में निर्णय लेने की क्षमता और प्रतिबद्धता रणनीति को सफलता में बदल देती है।

राजनाथ सिंह ने पुस्तक जारी करते हुए कहा कि यह प्रकाशन आधुनिक युद्ध के उस मानवीय पहलू को दर्शाता है।

राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक 10 जून को, मोदी का होगा अभिनंदन

नई दिल्ली। केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार के 12 साल पूरे होने पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक 10 जून को आयोजित की गयी है। अशोका होटल में आयोजित होने वाली इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन किया जाएगा। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और उनके कार्यकाल की उपलब्धियों की सराहना करते हुए विशेष प्रस्ताव भी पारित किया जाएगा।

पार्टी के सूत्रों ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य मोदी सरकार की 12 साल की सफलताओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक देशव्यापी अभियान की रूपरेखा तैयार करना है। बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री मोदी करेंगे।

दस प्रतिशत धर्मांतरित लोग 70 प्रतिशत आरक्षण का लाभ ले रहें : सतेंद्र सिंह

नई दिल्ली। वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिंह ने धर्मांतरण और अनुसूचित जनजाति आरक्षण से जुड़े मुद्दों पर चिंता जताते हुए डी-लिस्टिंग की मांग उठाई। उन्होंने दावा किया कि दस प्रतिशत धर्मांतरित लोग 70 प्रतिशत आरक्षण का लाभ ले रहे हैं।

नई दिल्ली के संस्कार भारती में आयोजित प्रेस वार्ता में सतेंद्र सिंह ने दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के सफल होने पर खुशी जताई और साथ ही ये भी बताया कि प्रतिनिधि मंडल राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से भी मिला है। उन्होंने बताया कि हमने सरकार के समक्ष मांग रखी है कि डी लिस्टिंग के तहत उन लोगों को चिन्हित करना चाहिए जो धर्मांतरण करने के बाद भी आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं।

अगले दो वर्षों में देश का सीमावर्ती क्षेत्र दुश्मनों से हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगा : अमित शाह

बीएसएफ के 60वें वर्ष पर अमित शाह का विजन, बनेगा चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड

भुज,। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के भुज में कहा कि केंद्र सरकार सीमा सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए तेजी से काम कर रही है और अगले दो वर्षों में देश का सीमावर्ती क्षेत्र दुश्मनों की बुरी नजर से हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, मजबूत सुरक्षा ढांचे और बीएसएफ जवानों के पराक्रम के बल पर भारत की सीमाओं को और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है।

कच्छ के भुज क्षेत्र में आज सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि सरक्रीक और भुज क्षेत्र में बीएसएफ के जवान चट्टान की तरह सीमा की रक्षा कर रहे हैं। उनके साहस, समर्पण और सतर्कता के कारण इस क्षेत्र के लोग सुरक्षित जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि जवानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सरकार ने सीमा सुरक्षा के लिए बजट की कोई कमी नहीं रहने दी है। आधुनिक तकनीक के उपयोग पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे सीमा सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में सफलता मिली है।

» न्यूज कैप्सूल »

तूफान व वारिस के कहर से महिला सहित दो लोगों की मौत, कई घायल

उरई। बीते दिन देर रात आए तूफान व तेज वारिस के कहर से अलग अलग जगह महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई। जबकि महिला व बच्चों सहित कई लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए।

शहर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम वजीदा निवासी 60 वर्षीय मूलचंद घर के बाहर खड़े थे तभी आंधी से एक टिन उनके ऊपर आ गिरी जिससे वह मौके गिर गए। काफी देर घायल पड़े रहने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि शहर के मुहल्ला उमरारखेड़ा निवासी 60 वर्षीय सुखदेई पत्नी बाबूलाल आंधी आने में छत पर रखे बर्तन उठाने गई थी। इसी दौरान टिन शेड उसके सिर पर आ गिरा जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आंधी थम दाने के बाद पुत्र संदीप व कन्हैया छत पर गए तो मां मृत पड़ी थी। मुहल्ला तुफैलपुरवा में उमा देवी के दो बच्चे यश व प्रिया बाहर थे और आंधी के कारण उनके ऊपर पत्थर आ गिरे जिससे वह घायल हो गए। शहर के बजरिया मुहल्ला में मकान की एक दीवार गिरने से पिता इंतियाज के साथ उनकी 19 वर्षीय बेटी बरीशा, 16 वर्षीय नेहा मलबा में दब गईं। पड़ोसियों की मदद से इनको जिला अस्पताल लाया गया। तीनों घायल हैं। ऐर निवासी मनीष की 35 वर्षीय पत्नी विनीता के ऊपर टीनशेड गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

दहेज हत्या के आरोप में पति, सास ससुर के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज

उरई। आटा थाना क्षेत्र के ग्राम करमेर में नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने मायके पक्ष की तहरीर पर पति, सास और ससुर के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद गांव में चर्चाओं का माहौल बना हुआ है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच में जुट गई है।मृतका के भाई रितेश कुमार निवासी ग्राम जैसारी कलां ने पुलिस को तहरीर दी थी। जिसमें आरोप लगाया गया है कि शादी के बाद से बहन को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था। आरोप है कि ससुराल पक्ष उसे मायके भी नहीं जाने देता था और लगातार मानसिक व शारीरिक रूप से परेशान करता था। घटना वाले दिन सुबह सूचना मिली कि विवाहिता की मौत हो गई है। मौके पर पहुंचने पर परिजनों ने शव संदिग्ध हालत में देखा और हत्या की आशंका जताई। परिजनों का आरोप है कि शव जिस रस्सी से लटका मिला वह बीच से कटी हुई थी और शरीर पर चोट के निशान भी थे। साथ ही कमरे की कुंडी बाहर से लगी हुई थी, जिससे मामला और संदिग्ध हो गया। इसके बाद मायके पक्ष ने पति अजय राजपूत, ससुर महेश उर्फ कल्लू और सास गिरीश देवी के खिलाफ दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।थाना प्रभारी आटा अजय कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ट्यूबवेल का सोलर प्लांट हुआ क्षतिग्रस्त

बांदा। जनपद में बीती रात आए भीषण आंधी-तूफान ने जहां एक तरफ आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त किया, वहीं दूसरी तरफ किसानों की कमर तोड़ कर रख दी है। ताजा मामला बांदा जनपद के ग्राम मुरवल से सामने आया है, जहां तेज चक्रवाती हवाओं के कारण एक किसान का पूरा सौर ऊर्जा संयंत्र (सोलर सिस्टम) मलबे में तब्दील हो गया। इससे किसान के सामने आजीविका का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

मुरवल गांव के निवासी पीड़ित किसान शिरोमण निषाद पुत्र छंगू निषाद ने बताया कि उनके ट्यूबवेल पर कृषि विभाग द्वारा प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान योजना वर्ष 2024-25 के अंतर्गत भारत एवं राज्य सरकार के भारी अनुदान पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया गया था। बीती रात करीब 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आए तूफान के थपेड़ों को यह भारी-भरकम सोलर स्ट्रक्चर झेल नहीं सका और उखड़कर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

तीन प्रमुख मार्गों पर भारी वाहनों की नो-एंट्री

प्रशासन ने जारी किया नया रूट डायवर्जन प्लान

बांदा। जनपद में सड़कों पर बढ़ते दबाव और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस ने कल यानी 30 मई 2026 के लिए एक बड़ा यातायात डायवर्जन प्लान जारी किया है। प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कल सुबह से लेकर रात तक कई प्रमुख मार्गों पर भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। वाहन चालकों को असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है।कल इन रास्तों पर रहेगा भारी वाहनों का प्रतिबंध 30मई को प्रात 5 बजे से लेकर रात्रि 9.30 बजे तक नीचे दिए गए मार्गों पर सभी प्रकार के भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहेगा।

कमासिन-बिसंडा मार्ग,बबेरू-बिसंडा मार्ग ,नरैनी-बिसंडा मार्ग से चलाने के लिए पुलिस प्रशासन ने वैकल्पिक रूट तय किए हैं। जिन भारी वाहनों को बांदा से चित्रकूट जाना है, वे सीधे बांदा-बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल करते हुए चित्रकूट जा सकेंगे।

भीषण आंधी-तूफान के बीच पूरी रात सड़कों पर रहे डीएम-एसपी, राहत एवं बचाव कार्यों की कमान संभाली

आपदा की घड़ी में प्रशासन बना सहारा, प्रभावित क्षेत्रों का किया स्थलीय निरीक्षण

दो मृतकों के परिजनों को तत्काल सहायता, घायलों के उपचार एवं क्षति आंकलन के निर्देश

उरई। जिले में 28 मई की रात्रि आए भीषण आंधी-तूफान, तेज वर्षा एवं बिजली कड़कने की घटना के बाद जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह पूरी रात फील्ड में सक्रिय रहे। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने जनपद के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया तथा राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की। प्रशासन ने आपदा की इस चुनौतीपूर्ण घड़ी में त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रभावित परिवारों तक सहायता पहुंचाने की प्रक्रिया तत्काल शुरू कर दी। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने राजकीय मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण कर चिकित्सकीय व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि सभी आवश्यक सेवाएं निर्बाध रूप से संचालित रहें तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त दवाएं, बेड, बिजली बैकअप एवं मानव संसाधन उपलब्ध रहें। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी दैनिक क्षति सूचना के अनुसार भीषण आंधी-तूफान की घटना में जनपद में दो लोगों की दुखद मृत्यु हुई है। शासन की निर्धारित व्यवस्था के अंतर्गत मृतकों के आश्रितों को 4-4 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इसके अतिरिक्त 23 पशुओं की क्षति, 7 व्यक्तियों के घायल होने तथा 45 मकानों के आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त होने की सूचना प्राप्त हुई है। कुल 12.88 लाख से अधिक की राहत सहायता प्रभावित परिवारों को प्रदान किए जाने हेतु प्रस्तावित की गई है। जिलाधिकारी ने राजस्व, स्वास्थ्य, विद्युत, पुलिस एवं नगर निकाय विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा राहत कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप आपदा प्रभावित प्रत्येक नागरिक तक समयबद्ध सहायता पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।जिलाधिकारी ने बताया कि आंधी-तूफान के कारण कई स्थानों पर विद्युत पोल एवं लाइनें क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिनका सर्वे एवं मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर से प्राप्त मौसम चेतावनियों के प्रभावी प्रचार-प्रसार, मुनादी एवं जनजागरूकता के कारण संभावित क्षति को काफी हद तक कम किया जा सका है।प्रशासन की सतत निगरानी, त्वरित कार्रवाई एवं पूरी रात फील्ड में मौजूद रहकर किए गए प्रयासों के चलते जनपद में स्थिति नियंत्रण में है तथा राहत एवं पुनर्वास कार्य निरंतर जारी हैं।

टीजीटी परीक्षा 2026 को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क, डीएम ने दिए कड़े निर्देश

03 व 04 जून को 07 परीक्षा केंद्रों पर होगी परीक्षा, चार पालियों में 9252 अभ्यर्थी होंगे शामिल

नकलविहीन, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण परीक्षा के लिए स्टैटिक व सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात, मोबाइल पर पूर्ण प्रतिबंध

उरई। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) लिखित परीक्षा-2026 की तैयारियों को लेकर सम्बंधित अधिकारियों को परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं सुरक्षा के साथ सम्पन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि टीजीटी लिखित परीक्षा का आयोजन 03 एवं 04 जून 2026 को दो-दो पालियों में किया जाएगा। प्रथम पाली प्रातः 09:30 बजे से 11:30 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 02:30 बजे से 04:30 बजे तक आयोजित होगी। जनपद में परीक्षा हेतु कुल 07 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, दयानंद वैदिक महाविद्यालय, श्री गांधी इंटर कॉलेज, डीएवी इंटर कॉलेज, सनातन धर्म इंटर कॉलेज एवं आर्य कन्या इंटर कॉलेज उरई शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 03 जून को प्रथम पाली में 2692 एवं द्वितीय पाली में 2127 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे, जबकि 04 जून को प्रथम पाली में 2263 एवं द्वितीय पाली में 2170 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। इस प्रकार कुल 9252 अभ्यर्थी चार पालियों में परीक्षा देंगे। उन्होंने कहा कि परीक्षा को नकलविहीन एवं निर्विघ्न सम्पन्न कराने के लिए 07 स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं 07 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। सभी अधिकारी लगातार परीक्षा केंद्रों की निगरानी करेंगे।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि परीक्षा अवधि के दौरान किसी भी निरीक्षक, कर्मचारी अथवा सपोर्ट स्टाफ द्वारा मोबाइल फोन का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप परीक्षा की पवित्रता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) योगेन्द्र कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, केंद्र व्यवस्थापक सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2026 को लेकर प्रशासन पूरी तरह तैयार, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

07 परीक्षा केंद्रों पर 3068 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा, नकलविहीन एवं पारदर्शी आयोजन के लिए व्यापक इंतजाम

उरई। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा-2026 की तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा को नकलविहीन, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन 31 मई 2026 को दो पालियों में किया जाएगा। प्रथम पाली प्रातः 09 बजे से 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 02 बजे से सायं 05 बजे तक संचालित होगी। परीक्षा के लिए जनपद में कुल 07 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें गांधी महाविद्यालय उरई, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज उरई, दयानंद वैदिक महाविद्यालय उरई, सनातन धर्म इंटर कॉलेज उरई, सर्वोदय इंटर कॉलेज उरई, आचार्य नरेंद्र देव इंटर कॉलेज उरई एवं राजकीय इंटर कॉलेज उरई शामिल हैं। इन केंद्रों पर कुल 3068 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे।उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं, जो केंद्र व्यवस्थापकों के साथ समन्वय स्थापित कर संपूर्ण परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। परीक्षा केंद्रों के स्ट्रांग रूम, सीसीटीवी निगरानी, सीलबंद पैकेटों की सुरक्षा एवं गोपनीय सामग्री के परिवहन की व्यवस्था को पूरी तरह सुरक्षित एवं मानक अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी ने रूप से निर्देशित किया कि परीक्षा अवधि के दौरान किसी भी निरीक्षक, कर्मचारी अथवा सपोर्ट स्टाफ द्वारा मोबाइल फोन का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) योगेन्द्र सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी सहित संबंधित अधिकारी, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक एवं परीक्षा से जुड़े अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध ओवरलोडिंग और हादसों के खिलाफ सड़क पर उतरी जेडीयू

बुंदेलखंड प्रभारी शालिनी सिंह पटेल ने कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

बांदा। जनपद में प्रतिबंधित समय के बावजूद सड़कों पर दौड़ रहे ओवरलोड ट्रकों के अवैध संचालन और इसके कारण लगातार हो रही दर्दनाक सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सियासत और जन-आक्रोश गरमा गया है। जनता दल यूनाइटेड की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बुंदेलखंड प्रभारी शालिनी सिंह पटेल ने आज चित्रकूटधाम मंडल के मंडलायुक्त को एक ज्ञापन सौंपकर इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल कठोर कार्रवाई की मांग की है।कमिश्नर को ज्ञापन सौंपते हुए जेडीयू नेता शालिनी सिंह पटेल ने कहा कि हाल ही में ओरन-बिसंडा मार्ग पर हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना ने पूरे जनपद को हिलाकर रख दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार हो रहे इन हादसों में निर्दोष लोग अपनी जान गंवा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग केवल औपचारिकताएं पूरी करने में सिमट कर रह गए हैं। शासन द्वारा भारी वाहनों के संचालन का समय निर्धारित होने और श्नो-एंट्रीश् व्यवस्था लागू होने के बावजूद दिनदहाड़े ओवरलोड ट्रक खुलेआम मुख्य सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जो सीधे तौर पर प्रशासनिक व्यवस्था पर एक गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।जेडीयू की प्रदेश उपाध्यक्ष ने सीधे तौर पर प्रशासनिक मिलीभगत का आरोप लगाते हुए पूछा कि आखिर किसके संरक्षण में ये मौत के सौदागर वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं? उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग, पुलिस विभाग और खनन विभाग की घोर निष्क्रियता के कारण ही ओवरलोड ट्रकों द्वारा नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। यह आम जनता की जिंदगी की सुरक्षा के साथ सीधा खिलवाड़ है, जिसे अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रतिबंधित समय के भीतर भारी वाहनों और ओवरलोड ट्रकों के संचालन पर तत्काल और पूर्ण रूप से रोक लगाई जाए।

परिवहन, पुलिस और खनन विभाग की संयुक्त टीमें बनाकर प्रतिदिन सड़कों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जाए। नियमों की अनदेखी करने वाले और ओवरलोडिंग को संरक्षण देने वाले भ्रष्ट अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कठोर विभागीय और कानूनी कार्रवाई हो। मुख्य मार्गों तथा खनन क्षेत्रों में स्थायी चेकपोस्ट स्थापित किए जाएं और ट्रकों का वजन मापने के लिए इलेक्ट्रॉनिक वेट मशीन की व्यवस्था सुनिश्चित हो।

आधी रात को गूंजा इमरजेंसी अलर्ट, 90 किमी की रफ्तार से आए तूफान ने मचाई भीषण तबाही

फोटो 01

बांदा। जिले में कल रात प्रकृति का रौद्र रूप देखने को मिला। रात करीब 12 बजे अचानक लोगों के मोबाइल फोन पर तेज बीप के साथ इमरजेंसी अलर्ट गूंज उठा। इस चेतावनी के कुछ ही देर बाद पूरे जिले में भीषण आंधी-तूफान ने दस्तक दे दी। करीब 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली चक्रवाती हवाओं ने पूरे क्षेत्र में भारी तबाही मचाई है, जिससे चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस प्राकृतिक आपदा का सबसे बड़ा असर बिजली आपूर्ति पर पड़ा है। हाईटेंशन लाइनों पर पेड़ गिरने और खंभे उखड़ने से शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों की बिजली व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। दर्जनों गांव और शहरी मोहल्ले रात से ही घने अंधेरे में डूबे हुए हैं। बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नुकसान काफी बड़ा है, लेकिन क्षतिग्रस्त लाइनों को ठीक करने का काम युद्धस्तर पर जारी है।

तेज आंधी के कारण कई इलाकों में पेड़ों की टहनियां टूटकर बिजली के तारों पर गिर गईं। दर्जनों जगहों पर बिजली के पोल क्षतिग्रस्त होने के कारण रात भर शहर से लेकर देहात तक अंधेरा छाया रहा। बिजली विभाग की टीमें सुबह से ही मरम्मत कार्य में जुटी हुई हैं। मुख्य मार्गों और संपर्क मार्गों पर विशालकाय पेड़ गिरने से सुबह के समय यातायात काफी प्रभावित हुआ। स्थानीय प्रशासन और ग्रामीणों की मदद से सड़कों से मलबे को हटाने का काम जारी है। कई इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सड़क किनारे लगे पेड़ और बिजली के खंभे टूटकर गिर गए।ससे कई प्रमुख मार्ग बाधित हो गए। आंधी-तूफान के कारण बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। कई गांव और मोहल्ले अंधेरे में डूब गए। ग्रामीण इलाकों में कच्चे मकानों के छप्पर उड़ गए। लोगों को इस प्राकृतिक आपदा से भारी नुकसान हुआ। जिला प्रशासन ने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। खराब मौसम की स्थिति में घरों के अंदर रहने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट पर रखा है। क्षतिग्रस्त बिजली लाइनों को ठीक करने का काम जारी है।

हालात को देखते हुए जिला प्रशासन ने पूरी मुस्तैदी दिखाई है। सभी आपातकालीन सेवाओं और संबंधित अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अभी भी सतर्क रहें और खराब मौसम की स्थिति में अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें, बल्कि घरों के अंदर ही सुरक्षित रहें। तूफान से हुए कुल नुकसान का आकलन करने के लिए राजस्व टीमें भी सक्रिय कर दी गई हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले एक-दो दिनों में मौसम में इस तरह के उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि तेज आंधी-तूफान के समय पक्के मकानों में शरण लें और बिजली के खंभों व पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें।

बीजेपी सरकार की दलित विरोधी मानसिकता और दमनकारी नीतियों के खिलाफ बरसे कांग्रेसी

बांदा।उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मंत्री अजय राय के निर्देश पर आज जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। स्टेशन रोड स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित इस मीडिया ब्रीफिंग में कांग्रेसी नेताओं ने सूबे की भाजपा सरकार की नीतियों, विपक्षी नेताओं के दमन और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर जमकर हमला बोला।

प्रेस वार्ता को मुख्य रूप से संबोधित करते हुए जिला उपाध्यक्ष डॉ. संजय द्विवेदी श्दनादनश् ने प्रदेश सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकार श्दलित विरोधी मानसिकताश् से ग्रसित होकर काम कर रही है। उन्होंने महोबा की घटना का जिक्र करते हुए कहा, ष्महोबा की एक दलित बेटी का अपहरण कर अराजक तत्वों द्वारा प्रयागराज में 16 दिनों तक बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म जैसी घिनौनी वारदात को अंजाम दिया गया। जब हमारे प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे, तो प्रदेश सरकार के इशारे पर उन्हें प्रताड़ित करना शुरू कर दिया गया और उनकी संपत्ति की जांच के आदेश दे दिए गए। डॉ. संजय द्विवेदी ने भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि वर्तमान में भाजपा के सांसद और विधायक खुली लूट मचाकर अरबों रुपए की उगाही कर रहे हैं।

» न्यूज कैप्सूल »

सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज

मऊरानीपुर। पत्थर गडड़ी की प्रक्रिया के दौरान महिला के साथ आरोपियों ने मारपीट कर घायल कर देने का मामला पुलिस ने दर्ज कर लिया जानकारी के अनुसार ग्राम स्यावनी खुर्द निवासी सुनीता ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि न्यायालय के आदेश 20 मई को राजस्व टीम पत्थर गडड़ी की कार्रवाई शुरू की इस दौरान गांव के ही छत्रपाल उसकी पत्नी अर्चना व पुत्र सुभाष ने मौके पर आकर सरकारी कार्य में बाधा डाली और उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी जिससे उसका दांत टूट गया पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

विद्युत आपूर्ति ठप्प से पेयजल संकट गहराया

मऊरानीपुर। ग्राम बम्हौरी में पिछले 48 घंटे से विद्युत आपूर्ति ठप्प होने की शिकायत प्रधान सहित ग्रामीणों ने की है जानकारी के अनुसार ग्राम बम्हौरी प्रधान सेवाराम आर्य हर्ष रावत पुष्पेंद्र तिवारी हेमंत गौतम सहित आदि ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता को पत्र भेज कर बताया कि गांव में पिछले 48 घंटो से विद्युत आपूर्ति ठप्प बनी हुई है जिससे भीषण गर्मी में ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है और बिजली के अभाव में जिला पूर्ति भी नहीं आ पा रही है पत्र में ग्रामीणों ने मुख्य अभियंता से गांव की विद्युत आपूर्ति शीघ्र बहाल कराने की मांग की है।

महिला के साथ मारपीट करने का मामला दर्ज

मऊरानीपुर। चार लोगों द्वारा महिला के साथ गाली गलौच करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मामला पुलिस ने दर्ज कर दिया जानकारी के अनुसार ग्राम कुंवरपुरा निवासी सुषमा यादव ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 24 मई की दोपहर 1ः30 बजे वह अपने घर पर थी तभी गांव के ही भंजन राम सिंह महेश गोलू ने घर के दरवाजे पर आकर गाली गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए पुलिस ने उक्त आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

गाय चराने के विवाद में पूरे परिवार की मारपीट

मऊरानीपुर। गाय चराने के विवाद को लेकर महिला के परिवार के साथ लाठियो से मारपीट करने का मामला पुलिस ने दर्ज कर लिया जानकारी के अनुसार ग्राम मेलोनी निवासी अंजू यादव ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 27 मई की रात्रि के 8ः30 बजे वह अपने घर पर थी तभी गांव के ही जयहिंद जगदीश हरी लाठी लेकर आए और उससे बोले कि अपनी गाय को हमारे खेत में क्यों चराती हो और तीनों से उसके साथ व सास, संम्पत, पति छोटू यादव एवं ससुर जितेंद्र पर लाठियो से हमला कर दिया पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

खुले में पेशाब करने को मजबूर है महिलाएं

मऊरानीपुर। शासन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नई इमरजेंसी का अभी हाल में निर्माण लाखों रुपए खर्च कर करवाया है लेकिन इस इमरजेंसी में ना तो पुरुषों व महिला मरीजों के लिए पेशाबघर व शौचालय नहीं बनवाए गए हैं जिससे क्षेत्र से आने वाले मरीजों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है और पुरुष व महिलाओं को खुले में पेशाब करने के लिए मजबूर होना पड़ता है सी.एम.ओ को चाहिए।

युवक ने आत्महत्या का प्रयास किया

मऊरानीपुर। फांसी लगाकर युवक ने आत्महत्या करने का प्रयास किया जानकारी के अनुसार प्रदीप पुत्र भज्जू निवासी शिवगंज मऊरानीपुर को गंभीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाया गया बताया गया कि फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

अज्ञात कीड़े ने काटा

मऊरानीपुर। अज्ञात कीड़े के काटने से महिला की हालात बिग? गई जानकारी के अनुसार सविता पत्नी पुष्पेंद्र निवासी पुरानी बैलाई मऊरानीपुर को गंभीर अवस्था में समुदाय स्वास्थ्य केंद्र पर लाया गया बताया गया कि अज्ञात कीड़े के काटने से हालात बिग? गई प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

वृद्ध को ट्रैक्टर ने कुचला

मऊरानीपुर। ट्रैक्टर चालक ने वृद्ध को गंभीर रूप से कुचल दिया जानकारी के अनुसार हरिदयाल पुत्र दसई निवासी ग्राम पचवई को घायल अवस्था में समुदाय स्पष्ट केंद्र पर लाया गया बताया गया कि ट्रैक्टर चालक ने कुचल दिया प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

बाईक दुर्घटना में दो घायल

मऊरानीपुर। बाईक दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए जानकारी के अनुसार हरगोविंद पुत्र नंदकिशोर निवासी ग्राम एवनी थाना टोड़ी फतेहपुर केशव पुत्र सुरेश निवासी ग्राम मढवा को घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाया गया।

पहूज नदी क्षेत्र का धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व अत्यंत प्राचीन है

अवैध निर्माण एवं प्रदूषण का मामला पहुँचा एनजीटी

औषधीय आस्था वाली है पहूज नदी , केंद्र व राज्यों को नोटिस

झांसी। राष्ट्रीय हरित अधिकरण की प्रधान पीठ, नई दिल्ली ने बुंदेलखंड क्षेत्र की महत्वपूर्ण नदी 卐पहूज नदी卐 में कथित अवैध निर्माण, अतिक्रमण, प्रदूषण एवं प्राकृतिक जलमार्गों के अवरोध से जुड़े मामले में गंभीर रुख अपनाते हुए संबंधित प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया है। यह मामला मूल आवेदन संख्या 323/2026 के रूप में दर्ज किया गया है, जिसकी सुनवाई 25 मई 2026 को हुई।

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव (अध्यक्ष) एवं डॉ. अफरोज अहमद (विशेषज्ञ सदस्य) की पीठ द्वारा की गई। याचिकाकर्ताओं में केसर सिंह, नरेन्द्र कुशवाहा, पंकज रावत, प्रवीण कुमार पाण्डेय, चंदन एन. सिंह तथा ओम प्रकाश शामिल हैं। याचिका में कहा गया है कि पहूज नदी, जिसे प्राचीन ग्रंथों में 卐पुष्पावती卐 के नाम से भी उल्लेखित किया गया है, सिंध नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है। इसका उद्गम मध्य प्रदेश के शिवपुरी जनपद स्थित सुजावनी ग्राम के समीप होता है तथा यह लगभग 265 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के कई जनपदों से होकर बहती है। लगभग 3,648 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में विस्तृत यह नदी बुंदेलखंड क्षेत्र की जल सुरक्षा, भूजल पुनर्भरण एवं पर्यावरणीय संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि मध्य प्रदेश के दतिया जनपद स्थित उनाव क्षेत्र में पहूज नदी एवं उसके डूब क्षेत्र की भूमि पर स्थानीय प्रशासन द्वारा नियमविरुद्ध कंक्रीट निर्माण कार्य कराया जा रहा है। याचिकाकर्ताओं के अनुसार यह निर्माण नदी के प्राकृतिक प्रवाह, बाढ़ क्षेत्र एवं पारिस्थितिक संतुलन के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर रहा है।

इसके अतिरिक्त मध्य प्रदेश के दतिया जनपद स्थित उनाव, भाण्डेर तथा उत्तर प्रदेश के झांसी एवं जालौन जनपदों के लहरगिर्द, नयागांव, सिमरधा, पोहरा, धमना, पण्डोखर एवं नदीगांव आदि ग्रामों में राजस्व अभिलेखों में नाला के रूप में दर्ज प्राकृतिक जलमार्गों एवं पहूज नदी के फीडर चैनलों पर अतिक्रमण कर अवैध निर्माण किए जाने का आरोप लगाया गया है। याचिका में कहा गया है कि ये प्राकृतिक नाले एवं फीडर चैनल पहूज नदी के भूजल पुनर्भरण, वर्षाजल निकासी तथा पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, किन्तु वर्तमान में इनमें सीवेज एवं गंदे नालों का प्रवाह छोड़ा जा रहा है। इससे वर्षाजल का प्राकृतिक प्रवाह बाधित हो रहा है, जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही है तथा प्रदूषित जल सीधे पहूज नदी में पहुँचकर नदी की जल गुणवत्ता एवं जलीय पारिस्थितिकी को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है।

याचिकाकर्ताओं ने यह भी बताया कि दतिया के उनाव स्थित पहूज नदी क्षेत्र का धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व अत्यंत प्राचीन है। यहाँ श्रद्धालु नदी में स्नान करने के पश्चात भगवान सूर्य बालाजी को जल अर्पित करते हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार नदी के जल में औषधीय गुण पाए जाते हैं, जिससे चर्म रोगों में लाभ होता है। याचिका में कहा गया है कि नदी क्षेत्र में किए जा रहे अवैध कंक्रीटीकरण, निर्माण कार्य एवं प्राकृतिक जलधारा में हस्तक्षेप से न केवल नदी का प्राकृतिक स्वरूप नष्ट हो रहा है, बल्कि इसकी पारंपरिक धार्मिक, सांस्कृतिक एवं औषधीय महत्ता पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।

सुनवाई के दौरान आवेदक की ओर से नदी तल में चल रहे कथित अवैध निर्माणों एवं प्रदूषण संबंधी फोटोग्राफ्स भी अधिकरण के समक्ष प्रस्तुत किए गए। अधिकरण ने प्रतिवादियों को निर्देश दिया है कि वे अगली सुनवाई से पूर्व शपथपत्र सहित अपना जवाब दाखिल करें। मामले की अगली सुनवाई 17 अगस्त 2026 को निर्धारित की गई है।

झांसी मंडल के 85 परिचालन कर्मचारियों का किया सम्मान

उत्कृष्ट कार्य निष्पादन पर मिला प्रशस्ति पत्र एवं प्रोत्साहन राशि

झांसी। मंडल द्वारा वित्त वर्ष 2025ङ्क26 में मालभाड़ा लदान, समय पालन तथा सुरक्षित एवं सुचारू रेल संचालन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले परिचालन विभाग के कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। मंडल रेल प्रबंधक झांसी अनिरुद्ध द्वारा परिचालन विभाग के अंतर्गत कार्यरत लगभग 85 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य निष्पादन, कर्तव्यनिष्ठा एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने अपने संबोधन में कहा कि झांसी मंडल का परिचालन विभाग निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नई उपलब्धियां अर्जित कर रहा है, जो मंडल के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि मालगाड़ियों के सुचारू संचालन, समय पालन एवं यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने में परिचालन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रेलवे की सफलता टीमवर्क, सतर्कता एवं समर्पण पर आधारित है। सभी कर्मचारियों को सुरक्षित रेल संचालन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आपसी समन्वय एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करना चाहिए, जिससे यात्रियों एवं ग्राहकों को बेहतर एवं विश्वसनीय रेल सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

मंडल रेल प्रबंधक ने यह भी कहा कि कर्मचारियों की मेहनत एवं प्रतिबद्धता के कारण ही झांसी मंडल ने वित्त वर्ष 2025ङ्क26 में मालभाड़ा लदान एवं समय पालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इस प्रकार के सम्मान कार्यक्रम कर्मचारियों को और अधिक उत्साह एवं प्रेरणा प्रदान करते हैं, जिससे वे भविष्य में भी उत्कृष्ट कार्य करते रहें।कार्यक्रम के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) नंदीश शुक्ल, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) पी. पी. शर्मा, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी गिरीश कंचन, मंडल परिचालन प्रबंधक (इंचार्ज) उर्वशी कुमारी, मंडल परिचालन प्रबंधक उर्वशी शेखावत सहित अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गंदगी फैलाने वालों से वसूला 65,200 का जुर्माना

वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पर स्वच्छता के प्रति सख्ती

झांसी। उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल द्वारा रेलवे परिसरों को स्वच्छ, सुंदर एवं यात्रियों के लिए सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से निरंतर विशेष स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पर अप्रैल माह के दौरान गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, फुटओवर ब्रिज, प्रतीक्षालय तथा रेल पटरियों के आसपास गंदगी फैलाने, प्लास्टिक एवं कचरा इधर-उधर फेंकने तथा स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 326 यात्रियों को पकड़ा गया। इन यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने एवं ऐसी गतिविधियों को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से कुल ?65,200/- का जुर्माना वसूला गया।

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों को लगातार यह संदेश दिया जा रहा है कि रेलवे स्टेशन एवं ट्रेनों की स्वच्छता बनाए रखना केवल रेलवे की ही नहीं, बल्कि प्रत्येक यात्री की सामूहिक जिम्मेदारी है।

भव्य रूप से मनायी जायेगी महाराणा प्रताप की जयंती

क्षत्रिय समाज की बैठक सम्पन्न

गुरसराय। नगर के विनीत विवाह वाटिका में 17 जून को आयोजित होने वाले महाराणा प्रताप जयंती समारोह को लेकर विशाल क्षत्रिय समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक मिलन परिहार के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। बैठक में समाज के गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक और भव्य बनाने पर जोर दिया।

बैठक को संबोधित करते हुए मिलन परिहार ने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती इस वर्ष गुरसराय में भव्य रूप से मनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में पूरे क्षेत्र के क्षत्रिय समाज को आमंत्रित किया जाएगा और समाज की एकता व गौरव का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन विनीत विवाह वाटिका में किया जाएगा, जहां सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और समाजिक सम्मान समारोह का भी आयोजन होगा।बैठक में सर्वसम्मति से अवधेश सिंह परिहार फौजी को कार्यक्रम का कोषाध्यक्ष बनाया गया। इस दौरान कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विभिन्न जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। राजेश परिहार ने अपने वक्तव्य में कहा कि महाराणा प्रताप केवल क्षत्रिय समाज ही नहीं बल्कि पूरे देश के गौरव हैं। उनकी वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति से युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बार महाराणा प्रताप की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें आकर्षक झांकियां, बैंड-बाजे और समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगे।

राजेंद्र बुंदेला ने कहा कि समाज की मजबूती एकजुटता में है। उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि व्यक्तिगत मतभेद भुलाकर समाजहित में आगे आएं और कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने में सहयोग करें। अंकित सेंगर ने कहा कि महाराणा प्रताप त्याग, साहस और स्वाभिमान के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय परिवारों को एकजुट होकर जयंती समारोह में भाग लेना चाहिए ताकि नई पीढ़ी को अपने इतिहास और महापुरुषों के बारे में जानकारी मिल सके। उन्होंने युवाओं से कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। बैठक का सफल संचालन जय ठाकुर ने किया। बैठक में समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव दिए। इस दौरानअवधेश सिंह परिहार, जय प्रताप सिंह सर जी, अखंड प्रताप सिंह, अंश बुंदेला, शत्रुघ्न सिंह बुंदेला, आदि मौजूद रहे।

समर कैंप में बैडमिंटन कोर्ट पर बच्चों ने बहाया पसीना

झांसी। सीनियर रेलवे इंस्टीट्यूट के तत्वावधान में आयोजित 15 दिवसीय बच्चों के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में आज प्रतिभागियों ने विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान बैडमिंटन कोर्ट पर बच्चों ने जमकर पसीना बहाया तथा खेल की तकनीकी बारीकियों को सीखने का अभ्यास किया।

कार्यक्रम में इंस्टीट्यूट के उपाध्यक्ष शोभाराम राय ने प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा बच्चों को खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में नियमित सहभागिता के लिए प्रेरित किया। शिविर में विभिन्न विधाओं के प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। टेबल टेनिस में वरुण सिंह, बैडमिंटन में प्रदीप पाठक एवं जितेंद्र चौरसिया, डांस में शाहिद अली एवं अनामिका शर्मा, शतरंज में दिनेश खेर, बॉक्सिंग में देवेंद्र सिंह तथा आत्मरक्षा प्रशिक्षण में शत्रुघ्न सिंह बच्चों को प्रशिक्षण दे रहे हैं।

आज के प्रशिक्षण सत्र में नौनिहालों ने टेबल टेनिस, बॉक्सिंग, बैडमिंटन, कैरम, डांस एवं शतरंज का अभ्यास किया तथा संबंधित खेलों की बारीकियों को समझा। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह एवं ऊर्जा देखने को मिली। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को स्वल्पाहार भी वितरित किया गया। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट कमेटी के सचिव मुकेश कुमार श्रीवास्तव सहित सदस्यगण अमित यादव, धीरज सक्सेना, राजू मीणा, सईद खान, अरविंद कुमार, महेंद्र साहू, अभिषेक रायकवार, केदार प्रसाद मीणा, तनवीर आलम, तेज सिंह मीणा एवं दीपचंद उपस्थित रहे।

बबेरू क्षेत्र मे तेज आंधी तूफान तांडव लोगो के जुग्गी झोपडी टीन टप्पर उड़े

बबेरू /बाँदा ।बबेरू क्षेत्र अंतर्गत अलग अलग गांव मे गुरुवार व शुक्रवार की मध्य रात्रि तेज आंधी तूफान व बारिश ने तांडव मचाकर रख दिया है. जिसमे बबेरू, बेरॉव, बिनवठ, कुचेन्दू, ओरन, फूफन्दी सहित लगभग एक दर्जन से अधिक गाँवो मे आंधी तूफान तांडव मचा कर रख दिया है. जिससे बिजली के खंभे,पेड़ टूटकर गिर गये, मकानों तथा पशु बाड़ा के छप्पर टीन टप्पर उड़ गये, वही लोगो के कच्चे मकान भी गिर गए, जिनकी चपेट मे आने से कई लोग घायल हो गए, जानकारी के मुताबिक आंधी तूफान से 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आया, जिससे कई लोगो का काड़ी नुकशान हो गया, जिसमे सुबह से ही लोग जिनका नुकशान हुआ है वह अस्त व्यस्त नजर आये और उड़े हुवे टीन छप्पर ड़ो बनाते नजर आये, इस आंधी और तूफान से जहाँ लोग परेशान हुवे, वहीं दूसरी तरफ गिरे विद्युत पोलो की वजह से देर रात्रि से अभी शाम 5 बजे तक बिजली नहीं आने से लोगों का और जीवन अस्त-शस्त्र हो गया है। वही विद्युत विभाग की जानकारी के अनुसार 33000 हाई टेंशन विद्युत लाइन का खंबा आंधी तूफान में गिर जाने से विद्युत सप्लाई आने की संभावना कम लग रही है, काम चल रहा है,हो सकता है देर रात्रि 10 से 11 बजे विद्युत सप्लाई मिल सकती है।

नौतपा की तपन बढ़ाने में बिजली विभाग सहयोगी

आए दिन बिजली रानी के दमन से क्षेत्रवासी हो रहे हलाकान

बरुआसागर। सूरज की तपन और बिजली के गमन से मानव सहित जीव-जंतु हलाकान, जिम्मेदार बने नादान यह पंक्तिया बरुआसागर क्षेत्रवासियों पर प्रतीक साबित हो रही है। जिससे यहाँ के वासियों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। नौतपा के दौरान भगवान भास्कर के आँखे तदेरने से मौसम ने गर्मी एवं लू का प्रकोप जारी होने से लोगों सहित जीव जन्तु परेशान है। वही बिजली विभाग की कार्यप्रणाली के चलते बिजली रानी के रुठने से क्षेत्रवासी तिलमिला उठते है । जिसका सबसे अधिक असर नवजात शिशुओं सहित छोटे छोटे बच्चों पर अधिक पड़ता है। वही बिजली विभाग से आलाधिकारियों क्षेत्रवासियों की परेशानियों से अनजान होकर ए.सी युक्त आलीशान बगलें में तसी दोपहर में आराम फरमाते रहते है। हालांकि दिखावटी रूप में क्षेत्र में स्थित पावर हाउस में कर्मचारी जरूर मौजूद रहते है। जो बिजली रानी के नाराज होने पर उसको मनाने का जरूर भरसक प्रयास कर क्षेत्रवासियों को बिजली की राहत दिलाने का कार्य अंजाम देते रहते है बताया जाता है कि क्षेत्र में तैनात बिजली अधिकारियों के दूरभाष यंत्र के माध्यम से क्षेत्रवासी अपनी विकराल समस्या से अवगत कराने का प्रयास करते है। तो उन्हें उस यंत्र से सुरीले एवं सुंदर गानों के सुर सुनाई देते रहते है। परंतु संबंधित अधिकारी की आवाज को सुनने के लिये उपभोक्ता इंतज़ार करते करते पस्त पड़ जाते है ऐसा लोगों का आरोप है । इससे यह सिद्ध हो जाता है कि क्षेत्र में तैनात विधुत अधिकारी कितने सजक एवं सक्रिय होकर विधुत उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान करते है।यह उच्च स्तरीय जांच से ही संभव हो सकता है। क्षेत्रवासियों ने जिलाधिकारी सहित विधुत विभाग के उच्च अधिकारियों से बरुआसागर क्षेत्र के विधुत उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी जटिल समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की पुरजोर अपेक्षा की है। जिससे भीषण गर्मी से लोगो को कुछ राहत मिलती रहे।

आंधी-बारिश से बिजली गुल

बरुआसागर में गुरुवार रात आई तेज आंधी और बारिश ने बरुआसागर क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया। शुक्रवार को क्षेत्र के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सनौरा मुहल्ला, कम्पनी बाग, खांदी और रेलवे स्टेशन मार्ग सहित विभिन्न स्थानों पर पेड़ गिरने से बिजली के खंभे और तार टूट गए। इसके अतिरिक्त, 33 केवी लाइन में खराबी आने के कारण पूरे क्षेत्र में बिजली संकट गहरा गया। रात-भर बरुआसागर में अंधेरा छाया रहा, जिससे स्थानीय निवासियों को पेयजल की समस्या, भीषण गर्मी और दैनिक कार्यों में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उपभोक्ताओं का आरोप है कि बिजली आपूर्ति कब तक सामान्य होगी ।स्थानीय लोगों में जफर , शफीक,रसीद, राकेश, रोहित, बोबी, उस्मान ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

संपादकीय

शक्ति और अधिकार के साथ जवाबदेही पहले सजा फिर सुनवाई, न्याय सिद्धांत नहीं

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां सत्ता का अंतिम स्रोत जनता मानी गई है। संविधान ने नागरिकों को केवल अधिकार ही नहीं दिए, बल्कि राज्य की शक्तियों की सीमाएं भी निर्धारित की हैं। विधायिका कानून बना सकती है, कार्यपालिका उनका क्रियान्वयन कर सकती है और न्यायपालिका उनकी संवैधानिक समीक्षा कर सकती है, लेकिन इन तीनों संस्थाओं के ऊपर संविधान सर्वोच्च माना गया है। इसी कारण मौलिक अधिकारों को लोकतंत्र की आत्मा कहा गया है। संविधान स्पष्ट रूप से यह व्यवस्था करता है कि कोई भी ऐसा कानून या प्रशासनिक आदेश वैध नहीं माना जा सकता जो नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता हो। न्यायपालिका को इसी उद्देश्य से न्यायिक समीक्षा का अधिकार दिया गया ताकि वह संविधान की मूल भावना की रक्षा कर सके। भारतीय इतिहास में अनेक अवसरों पर सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों ने सरकारों के निर्णयों को असंवैधानिक घोषित करते हुए नागरिक अधिकारों की रक्षा की है। आपातकाल का उदाहरण भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे विवादास्पद अध्याय माना जाता है।

1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं पर व्यापक प्रतिबंध लगाए गए थे, हजारों राजनीतिक कार्यकर्ताओं को नजरबंद किया गया और प्रेस की स्वतंत्रता सीमित कर दी गई। हालांकि संविधान में आपातकाल का प्रावधान मौजूद था, लेकिन बाद में जनता ने चुनाव के माध्यम से अपनी असहमति व्यक्त की और सत्ता परिवर्तन हुआ। यह घटना इस बात का प्रमाण भी बनी कि लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। वर्तमान समय में भी विभिन्न कानूनों, जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली, लंबी न्यायिक प्रक्रियाओं, बेरोजगारी, परीक्षा घोटालों और प्रशासनिक सख्ती को लेकर समाज के अलग-अलग वर्गों में असंतोष दिखाई देता है। युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी तथा आंदोलनों पर बल प्रयोग जैसी घटनाओं ने अविश्वास का वातावरण पैदा किया है। जब नागरिकों को यह महसूस होने लगे कि उनकी समस्याओं का समाधान संस्थागत माध्यमों से नहीं हो रहा, तब सामाजिक तनाव बढ़ने लगता है। हालांकि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह आवश्यक है कि आलोचना तथ्यों और संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर हो। न्यायपालिका, चुनाव आयोग, संसद, मीडिया और प्रशासन जैसी संस्थाओं पर विश्वास लोकतंत्र की स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण होता है। यदि इन संस्थाओं के प्रति व्यापक अविश्वास उत्पन्न होता है, तो समाज में अराजकता और भीड़तंत्र की स्थिति पैदा होने का खतरा बढ़ जाता है। पिछले एक दशक में संवैधानिक संस्थाओं एवं कार्यपालिका के प्रमुख पदों पर बैठे लोग सरकार के दबाब में काम करते थे। अब यही आरोप न्यायपालिका पर भी लगने लगे हैं। अदालतें सरकारी और पूंजीपतियों के दबाब में निर्णय करती है।

यह धारणा आमजन को बनने लगी है। इससे बार-बार लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में है। इस तरह की धारणा बनने लगी है। लोकतंत्र केवल कानूनों से नहीं चलता, बल्कि जनता के विश्वास, संवाद और संस्थाओं की निष्पक्षता से चलता है। सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे नागरिक अधिकारों का सम्मान करें, पारदर्शिता बनाए रखें और युवाओं की समस्याओं का समाधान करें। वहीं नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने अधिकारों की लड़ाई लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीकों से लड़ें। संविधान का मूल उद्देश्य सत्ता और जनता के बीच संतुलन बनाए रखना है, और यही संतुलन लोकतंत्र को मजबूत बनाता है।

सनत जैन

राज काज

मार्को रूबियो और मोदी जी ने तोड़ा रिकॉर्ड

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो भारत आए।उन्होंने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की। अभी तक परंपरा रही है, जब किसी भी देश का विदेश मंत्री आता है। वह अपने समकक्ष से मिलता है। उसके बाद औपचारिक भेंट प्रधानमंत्री से करता है। पहली बार 1 घंटे तक अमेरिका के विदेश मंत्री रबियो, भारत के प्रधानमंत्री मोदी को नसीहत देते रहे। दिल्ली के गलियारों में, जो प्रोटोकॉल टूटा है उसकी चर्चा हो रही है। रुबियो ने कौन सी ऐसी चाल चली, जिसमें प्रोटोकॉल डूब गया। राजनीति के इस चाल मे अंदर खाने क्या हुआ।इस राज के खोजने के प्रयास शुरू हो गए हैं। अभी जो हुआ है। इसके पहले कभी नहीं हुआ। इसको लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। राजनीतिक हलके में कहा जा रहा है। अमेरिका के विदेश मंत्री ने भारत के प्रधानमंत्री से सीधे मिलकर परंपरा तोड़कर एक तरह की चुनौती दी है।

12वीं के बच्चे मोदी सरकार से नाराज ?

भारत सरकार का शिक्षा मंत्रालय अजब और गजब काम कर रहा है। 17 से 20 साल के युवा मोदी सरकार से भारी नाराज हैं। 12वीं बोर्ड परीक्षा के इस बार के स्कैन कॉपी के नतीजों ने छात्रों को नाराज करके रखा है। रही सही कसर नीट का परचा लीक होने के बाद 17 से 20 वर्ष के युवा मोदी सरकार से भारी नाराज हैं। सरकार नए-नए प्रयोग छात्रों पर कर रही है। नुकसान छात्रों का हो रहा है। उनका भविष्य खत्म हो रहा है। उसके बाद भी सरकार को मजा नहीं आ रहा है? इससे जेन-जी छात्र नाराज हैं।

मोदी सरकार में कोई जिम्मेदार नहीं

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 80 लाख विद्यार्थियों की परीक्षा कॉपी स्कैन की गई।स्केन कॉपियां पढ़ने में नहीं आ रही हैं। उसके बाद भी परीक्षा परिणाम घोषित हो गए। रिवैल्युएशन के लिए लाखों छात्रों ने आवेदन किया है। बार-बार सर्वर बंद हो रहा है। लाखों बच्चे परेशान हैं। उनके अभिभावक परेशान हैं। सरकार के कान में जू नहीं रेंग रही है। अभी तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी/ मंत्री पर कार्रवाई नहीं हुई है। युवा नाराज होकर सड़कों पर आ रहे हैं। इसी को कहते हैं लड़का सीखे नाई का सिर काटे गंवार का। पढ़ने लिखने के बाद भी छात्र गंवार हैं।

सीबीएसई की वेबसाइट हैक, छात्रों से लाखों की मांग

सीबीएसई के एक्स हैंडल से जाकर बच्चे रिवैल्युएशन की लिंक खोल रहे हैं। वहां पर पंजीयन कर रहे हैं। जब वेरिफिकेशन के लिए जाते हैं। वहां पर 10000 रुपए से लाखों जमा करने के मैसेज आ रहे हैं सीबीएसई ने कहा है, उनकी वेबसाइट हैक हो गई है। 10वीं और 12वीं के बच्चे लाखों हैरान परेशान हैं। प्रधानमंत्री मोदी और शिक्षा मंत्री की ओर से एक शब्द भी नहीं कहा जा रहा है।

दुनिया का सबसे बड़ा कारनामा माना जाता है एवरेस्ट पर चढ़ाई

अंतर्राष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

एवरेस्ट दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है, जिसकी ऊंचाई 8848 मीटर है। दुनिया के इस सबसे ऊंचे पर्वत शिखर को आज से 73 वर्ष पूर्व 29 मई 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने फतह किया था। उनकी जीत के उपलक्ष्य में ही उनकी याद में प्रतिवर्ष 29 मई को अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस मनाया जाता है, जिसे 'अंतर्राष्ट्रीय सागरमाथा दिवस' के रूप में भी जाना जाता है। पहली बार माउंट एवरेस्ट दिवस सर एडमंड हिलेरी की मृत्यु के बाद 2008 में मनाया गया था, तभी से यह दिवस भारत, नेपाल और न्यूजीलैंड में 29 मई को मनाया जाता रहा है। एवरेस्ट की चोटी नेपाल और चीन (तिब्बत) की सीमा पर स्थित है और यह दिवस मनाने का एक प्रमुख उद्देश्य नेपाल पर्यटन को बढ़ावा देना भी है। वैसे सही मायनों में यह दिवस पर्वतारोहियों को सम्मानित करने के लिए नेपाल द्वारा मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह दिवस पर्वतारोहियों को एवरेस्ट की चोटी फतह करने के लिए प्रेरित करता है। अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस केवल एडमंड हिलेरी और तेनजिंग शेरपा की विजय का जश्न मनाने का ही दिन नहीं है बल्कि यह पहाड़ पर चढ़ने के खतरों को बताने और उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जिन्होंने इस सफर के दौरान अपने प्राण गंवा दिए। तमाम खतरों के बावजूद माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई का यह सिलसिला आज भी जारी है।

विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना आज भी मानव साहस, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा माना जाता है। समुद्र तल से 8,848.86 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शिखर केवल बर्फ और पत्थरों का पहाड़ नहीं बल्कि रोमांच, जोखिम और मौत से सीधी मुठभेड़ का प्रतीक बन चुका है। दुनियाभर के हजारों

पर्वतारोही हर वर्ष इसे फतह करने का सपना लेकर हिमालय की ओर बढ़ते हैं लेकिन उनमें से केवल चुनिंदा लोग ही सफलता प्राप्त कर पाते हैं। कई पर्वतारोही इस दुर्गम यात्रा के दौरान बर्फीली हवाओं, ऑक्सीजन की कमी, हिमस्खलन और खतरनाक दर्रों का सामना करते हुए अपनी जान गंवा बैठते हैं। इतिहास गवाह है कि एवरेस्ट की चढ़ाई हमेशा से जोखिमों से भरी रही है। आंकड़ों के अनुसार, एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले प्रत्येक 100 पर्वतारोहियों में लगभग 4 लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2014 और 2015 एवरेस्ट के इतिहास के सबसे दर्दनाक वर्षों में गिने जाते हैं, जब हिमस्खलन और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण तीन दर्जन से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई थी।

एवरेस्ट की बर्फीली ढलानों पर आज भी अनेक पर्वतारोहियों के शव मौजूद हैं, जिन्हें नीचे लाना लगभग असंभव माना जाता है। मई महीने का एवरेस्ट के संदर्भ में विशेष महत्व है क्योंकि इसी दौरान मौसम अपेक्षाकृत अनुकूल होता है और अधिकांश सफल अभियान इसी महीने में पूरे किए जाते हैं। यही कारण है कि एवरेस्ट से जुड़े कई विश्व रिकॉर्ड भी मई में ही बने हैं। माउंट एवरेस्ट को फतह करना पर्वतारोहियों के लिए जहां रहस्य और रोमांच से भरपूर होता है, वहीं दीगर सच यह भी है कि यह एक ऐसा सफर है, जहां मौत हर कदम पर बाहें फैलाए खड़ी रहती है और इस सफर के लिए फौलाद जैसे कलेजे की जरूरत होती है। बस मामूली सी चूक हुई और जिंदगी खत्म। हिमालय पर इस सबसे ऊंचे शिखर का पता 1852 में लगा था।

तब भारत में जॉर्ज एवरेस्ट गर्वनर जनरल थे और इस शिखर का नामकरण उन्हीं के नाम पर किया गया। 1921 में पहली बार माउंट एवरेस्ट का रास्ता खोजा गया और तभी से एवरेस्ट फतह करने के प्रयास निरन्तर किए जाते रहे हैं। 1922 में जॉर्ज मैलोरी, एडवर्ड नॉर्टन तथा हॉवर्ड सोमेरवेल ने पहली बार एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया और वे 8 हजार मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने में सफल भी हुए। 1924 में जॉर्ज मैलोरी तथा एंड्रू इरविन ने एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया किन्तु दोनों ही बर्फीले पहाड़ों में कहीं रहस्यमयी तरीके से गायब हो गए। 29 मई 1953 को पहली बार जब न्यूजीलैंड के सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने एवरेस्ट को फतेह किया तो पूरी दुनिया में खलबली मच गई क्योंकि उससे पहले भी इसकी कोशिशें तो बहुत हुई किन्तु सफल कोई नहीं हुआ। पृथ्वी की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट तक पहुंचने के लिए पर्वतारोहियों को अनेक तरह की बाधाओं को पार करना पड़ता है। करीब 8848 मीटर ऊंचे इस शिखर की खड़ी चढ़ाई के दौरान रास्ते में कई ऐसे दर्रे आते हैं, जिनमें से कुछ की गहराई तो करीब 300-400 फुट है और ऐसे दर्रों को प्रायः सीढ़ियां जोड़कर पार किया जाता है, जो बेहद डरावना और मुश्किलों से भरा काम है क्योंकि इन दरारों के बीच जो भी चीज गिरी, वो कभी वापस नहीं लौट सकती। वैसे भी एक बार अगर इन दर्रों को पार करके निकल भी गए तो लौटते समय पुनः इन्हीं दरारों को पार करना पड़ता है।

अब नाम नहीं, काम चलेगा : कर्नाटक से कांग्रेस का सशक्त संदेश

दिलीप कुमार पाठक

कांग्रेस पार्टी आजकल जिस तरह धड़ाधड़ और कड़े फैसले ले रही है, उसकी जरूरत उसे बहुत पहले से थी। राजनीति का एक सीधा नियम है - जो नेता वक्त की चाल को नहीं समझ पाता, वो धीरे-धीरे पीछे छूट जाता है। हाल के दिनों में कांग्रेस आलाकमान ने जो फैसले लिए हैं, उसने यह साफ कर दिया है कि अब पार्टी में कोई भी नेता संगठन से बड़ा नहीं है। यह बदलाव कांग्रेस के उन आम कार्यकर्ताओं के लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी है, जो जमीन पर रहकर दिन-रात मेहनत करते हैं। एक पुराना दौर था जब कांग्रेस में फैसले लेने में बहुत देर लगाई जाती थी। बड़े नेताओं की जिद के आगे आलाकमान को झुकना पड़ता था। लेकिन अब ऐसा नहीं है। राजस्थान का उदाहरण सबके सामने है, पार्टी कभी अशोक गहलोत को राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसा सबसे बड़ा और सम्मानजनक पद देना चाहती थी। लेकिन उस समय उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने का मन नहीं था। उन्होंने वक्त की मांग को नहीं समझा। नतीजा यह हुआ कि समय बदला और आज उन्हें संगठन में एक महासचिव बनने के लिए भी कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है। राजनीति का यही दस्तूर है - जो समय की कद्र नहीं करता, समय उसकी कद्र नहीं करता।

अशोक गहलोत और कमलनाथ जैसे पुराने नेताओं के लिए यह संभल जाने का आखिरी मौका है। इन बड़े नेताओं को अब यह बात समझ लेनी चाहिए कि अपनी जिद छोड़कर नई पीढ़ी को आगे बढ़ाना ही असली समझदारी है। दूसरी तरफ, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैय्या ने पूरे देश के नेताओं के सामने एक बहुत सुंदर मिसाल पेश की है, उन्होंने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को को गले लगा कर आशीर्वाद दिया और एलान किया कि अगले मुख्यमंत्री होंगे, ये होता है पार्टी के लिए अनुशासन आज वे सिर्फ अपने राज्य के नहीं, बल्कि पूरे देश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के चहेते नेता बन गए हैं। जब भी पार्टी पर कोई मुश्किल आई या आलाकमान ने कोई कड़ा फैसला सुनाया, सिद्धरमैय्या ने हमेशा पार्टी की बात को ऊपर रखा। उन्होंने अपनी निजी इच्छाओं को किनारे रखकर संगठन को मजबूत करने का काम किया। यही वजह है कि आज पूरी पार्टी में उनका मान-सम्मान बहुत बढ़ गया है।

उत्तर भारत के कांग्रेस नेताओं को इस बात से बहुत कुछ सीखना चाहिए। सच कहें तो दक्षिण भारत की राजनीति ने उत्तर के नेताओं को हमेशा एक नया आईना दिखाया है। इतिहास गवाह है कि जब भी कांग्रेस पार्टी पर कोई बड़ा संकट आया है, दक्षिण भारत ने हमेशा उसे सहारा दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जमाने से लेकर आज के दौर तक, दक्षिण के नेताओं ने पार्टी को मुश्किल दिनों से निकाला है। आज मल्लिकार्जुन खड़गे और सिद्धरमैय्या जैसे नेता जिस तरह सूझबूझ से काम कर रहे हैं, वह उत्तर भारत के बड़े-बड़े क्षत्रपों के लिए एक बड़ा सबक है।

जरा हटके

वैज्ञानिकों ने लैब में पैदा किए जिंदा चूजे, दावे ने दुनिया को चौंकाया

न्यूयॉर्क । बायोटेक कंपनी कोलोसल बायोसाइंसेस के वैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला में कृत्रिम माहौल तैयार कर जिंदा चूजों को जन्म देने में सफलता हासिल करने का दावा किया है। वैज्ञानिकों के इस दावे ने सभी को चौका दिया है। वैज्ञानिकों ने इस काम के लिए थ्री-डी प्रिंटेड तकनीक से तैयार किए गए एक खास ढांचे का इस्तेमाल किया, जो बिल्कुल असली अंडे के छिलके की तरह काम करता है। कंपनी का कहना है कि इस अनोखी तकनीक के जरिए अब तक 26 चूजों का जन्म हो चुका है। इनमें कुछ चूजे कुछ दिन के हैं, जबकि कुछ कई महीने तक जीवित रह चुके हैं। कंपनी के अनुसार इस प्रयोग में निषेचित मुर्गी के अंडों को एक विशेष कृत्रिम प्रणाली में रखा गया। इसके बाद पूरे सिस्टम को नियंत्रित तापमान वाले इनक्यूबेटर में सुरक्षित रखा गया। वैज्ञानिकों ने कृत्रिम छिलके के भीतर एक खास झिल्ली लगाई, जो असली अंडे की तरह भ्रूण तक ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करती है। इसके अलावा चूजों के विकास के लिए अलग से कैल्शियम भी उपलब्ध कराया गया।

इस तकनीक की मदद से वैज्ञानिक भ्रूण के विकास को वास्तविक समय में देख और समझ पा रहे थे। कोलोसल बायोसाइंसेस लंबे समय से विलुप्त हो चुके जीवों को दोबारा धरती पर लाने की परियोजनाओं पर काम कर रही है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बेन लैम का कहना है कि इस आर्टिफिशियल एग तकनीक का उपयोग भविष्य में न्यूजीलैंड के विलुप्त विशालकाय 'साउथ आइलैंड जायंट मोआ' पक्षी को वापस लाने में किया जा सकता है। बताया जाता है कि मोआ पक्षी का अंडा सामान्य मुर्गी के अंडे से करीब 80 गुना बड़ा होता था। वैज्ञानिकों का मानना है कि इतनी बड़ी प्रजाति के लिए प्राकृतिक तरीके से अंडा तैयार करना वर्तमान समय में संभव नहीं है। हालांकि कंपनी के इस दावे पर कई स्वतंत्र वैज्ञानिकों ने सवाल भी उठाए हैं।

यूनिवर्सिटी एट बफेलो के इवोल्यूशनरी बायोलॉजिस्ट विंसेंट लिंच का कहना है कि वैज्ञानिकों ने केवल कृत्रिम छिलका बनाया है, पूरा अंडा नहीं। उनके अनुसार असली अंडे में कई अस्थायी अंग और जैविक संरचनाएं होती हैं, जो भ्रूण को पोषण देने और अपशिष्ट पदार्थों को हटाने का काम करती हैं। इस कृत्रिम प्रणाली में वे सभी प्राकृतिक प्रक्रियाएं मौजूद नहीं थीं। यूनिवर्सिटी ऑफ शेफिल्ड की वैज्ञानिक निकोला हेमिंग्स ने भी कहा कि कृत्रिम छिलकों के जरिए चूजों का विकास पूरी तरह नई तकनीक नहीं है।

व्यंग

क्या नेता जी अभी फ़ुर्सत में हैं?

आत्माराम यादव 'पीव'

असल में मैं जिस बड़े नेता से बात कर रहा हूँ, वे बड़े घाघ हैं। एक दो चुनाव अपने पैसों से लड़े उसके बाद पार्टी और पूँजीपतियों के चंदे से चुनाव लड़ते आ रहे हैं, इसलिये उनकी जेब पर असर नहीं होने से वे प्रश्नों को टाल रहे हैं। थोड़ी देर पहले ही उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं का दरबार सजाया था तब वे जीत पर संशंकित थे। उन्हें अपनी हार का डर सता रहा था और जनता को रुलाने वाले वे खुद रो रहे थे, पर मगरमच्छ जैसे उनके आँसू उनके मन की तरह डाँवाँडोल हैं, कब आना हैं, कब जाना हैं, इस पर नेता जी का पूरा नियंत्रण है। इस बार के ज़्यादा प्रतिशत मतदान ने उनकी नींद उड़ा दी है, वे प्रत्येक बूथ का रिकार्ड लेकर कई बार बूथ कार्यकर्ताओं के साथ अलग-अलग राय लेकर जनता द्वारा उनको औक़ात याद दिलाये जाने का एहसास कर अपने मन में अन्दर तक धँसकर अपने भविष्य को लेकर पूरा ग़ुस्सा निकाल चुके हैं। उन्हें अपने प्रतिद्वंद्वियों पर ग़ुस्सा आता है। धोखेबाज़, बदमाश, नमकहराम, हम राजनीति में लाए, नेता बनाया, हमारे पैर छूते हुए उसकी कूबड़ निकल आयी, उसने हमें धोखा दिया और स्वामिभक्ति न निभाकर अपने सेवक होने के धर्म से गिर गया, साला अधर्मी कहीं का !

अभी-अभी प्रदेश की जनता ने अपना फ़ैसला ईवीएम मशीन का बटन दबाकर दर्ज करा दिया। एक पखवाड़े बाद फ़ैसला आना है, फ़ैसला आने तक सारे के सारे नेता फ़ुर्सत में हैं। हमने अपने विधानसभा प्रत्याशी के न मिलने पर, एक बड़े नेता के चुनाव लड़ने पर उनका मन टटोलकर बात छेड़ दी, 'मान्यवर इस समय आप फ़ुर्सत में हैं, क्या महसूस कर रहे हैं? वोटिंग से मतगणना के परिणाम आने तक के दिन तथा चुनाव जीतने के बाद चुनाव की घोषणा तक के दिन में, आप कौन से दिनों को अपने लिये सुखद एवं अनिश्चितता के दिन समझते हो? 'नेता ने घूरा, झुँझलाते हुए कहा, 'तुम्हारा प्रश्न ही दिशाहीन एवं भ्रमित करने वाला है। अरे प्रश्न ऐसे करो जो राष्ट्रीय संदर्भ के हों, प्रदेश की प्रगति के हों। भारतीय संदर्भ में यह प्रश्न व्यक्तिगत प्रश्न है, हम राष्ट्रीय स्तर के नेता हैं, संसद, विधानसभा हमारे लिये घर-आँगन जैसे हैं, एक बार के नहीं पाँच-छह बार के विधायक हैं, सांसद भी रहे हैं, केन्द्रीय मंत्री भी रहे हैं, पार्टी ने ज़रा सी ज़िम्मेदारी देकर विधानसभा चुनाव क्या लड़वाया, हमें फ़ुर्सत में कह रहे हो, अरे भाई हमें साँस लेने की फ़ुर्सत नहीं है फिर जनसेवा और देश का विकास करना हमारी पहली प्राथमिकता एवं नैतिक ज़िम्मेदारी होने से हम क्यों कुछ महसूस करें? महसूस वे करें जिनकी क़िस्मत में विधानसभा का दरवाज़ा बंद रहता है। हमारा जीना, मरना, हँसना रोना सब सरोकार जनता से हैं। इसलिये हमारे समय को सदा एक-सा समझो और याद रखो जैसे दिल्ली के सभी मंत्रालय के दरवाज़े हमारे लिये खुले हैं, वैसे ही इस बार भी विधानसभा का दरवाज़ा हमारे लिए खुला है।

फोटो ऑफ द डे

लाटीविया में इंटरनेशनल ड्रोन सम्मिट में रोबोट एवीएशन एफएक्स 10 एनजी ड्रोन पेश किया गया।

चिंतन-मनन

वैज्ञानिक बनने की चाह

किसी समय लंदन की एक बस्ती में एक अनाथ बालक रहता था। वह अखबार बेचकर किसी तरह अपना गुजारा करता था। कुछ समय बाद उसे एक जिल्दसाज की दुकान पर जिल्द चढ़ाने का काम मिल गया। उस बालक को पढ़ने का बहुत शौक था। वह पुस्तकों पर जिल्द चढ़ाते समय महत्वपूर्ण बातें व जानकारियां पढ़ता रहता था। एक दिन जिल्द चढ़ाते समय उसकी नजर एक विद्युत संबंधी लेख पर पड़ी।

वह लेख उसे बहुत ही मनोरंजक लगा। उसने दुकान के मालिक से एक दिन के लिए वह पुस्तक मांग ली और रात भर में उस लेख के साथ ही पूरी पुस्तक भी पढ़ डाली। पुस्तक का उसके ऊपर गहरा असर पड़ा। इससे उसकी प्रयोग करने में जिज्ञासा बढ़ती गई और धीरे-धीरे वह अध्ययन एवं परीक्षण के लिए विद्युत संबंधी छोटी-मोटी चीजें इधर-उधर से जुटाने लगा। बालक की इस बारे में रुचि देखकर एक ग्राहक उससे बहुत प्रभावित हुआ। वह खुद भी विज्ञान में गहरी दिलचस्पी रखता था। एक दिन वह बालक को अपने साथ भौतिकशाप के प्रसिद्ध विद्वान डेवी का भाषण सुनाने ले गया। बालक ने डेवी की बातें ध्यान से सुनीं और उन्हें नोट भी किया। इसके बाद बालक ने उनके भाषण की समीक्षा करते हुए अपने कुछ परामर्श लिखकर डेवी के पास भेज दिए। डेवी को बालक की सलाह बहुत पसंद आई। उन्होंने उसे अपने यंत्र व्यवस्थित करने के लिए अपने पास रख लिया।

स्वास्थ्य

योग केवल शारीरिक फिटनेस का माध्यम नहीं : आयुष मंत्रालय

नई दिल्ली । आज की तेज रफ्तार और तनावभरी जिंदगी में योग केवल शारीरिक फिटनेस का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन और आत्मिक स्थिरता का भी महत्वपूर्ण साधन बन चुका है। अगले महीने 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले मंत्रालय लगातार लोगों को योग के महत्व के प्रति जागरूक कर रहा है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, आधुनिक जीवनशैली में मानसिक तनाव, भागदौड़ और लगातार बढ़ते दबाव के कारण लोगों के लिए संतुलित जीवन जीना कठिन होता जा रहा है। ऐसे समय में योग व्यक्ति को भीतर से शांत रहने और जीवन को बेहतर ढंग से समझने की शक्ति देता है। मंत्रालय ने कहा कि योग केवल शरीर की गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मन को शांत करता है, सोच को सकारात्मक बनाता है और व्यक्ति के भीतर करुणा तथा आत्मविश्वास विकसित करता है। योग के नियमित अभ्यास से व्यक्ति अपने जीवन में स्थिरता और संतुलन महसूस करता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जब व्यक्ति अपने भीतर शांति महसूस करता है, तभी वह अपने आसपास भी सकारात्मक वातावरण बना पाता है। आज की दुनिया शोर, तनाव और त्वरित प्रतिक्रियाओं से भरी हुई है, जहां योग व्यक्ति को ठहरकर सोचने और संयमित रहने की सीख देता है।

सुविचार

दुखियारों को हमदर्दी के आंसू भी कम प्यारे नहीं होते।

- प्रेमचंद

क्रोध ऐसी आँधी है जो विवेक को नष्ट कर देती है।

- अज्ञात

प्रसंगत

प्रार्थना के बीच में

एक सेठ एक साधु से मिलने आया। साधु को प्रणाम करके उसने कहा, 'बाबा, मैं प्रार्थना करना चाहता हूं, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद नहीं कर पाता। जब भी मैं ध्यान लगाने की कोशिश करता हूं तभी मेरे आगे दुनियावी चीजें आ खड़ी होती हैं। धन कमाने और पारिवारिक तनाव के बारे में सोचने लग जाता हूं। आप ही बताइए मुझे प्रार्थना में मन लगाने के लिए क्या करना चाहिए?' यह सुनकर साधु महाराज सेठ को एक ऐसे कमरे में ले गए जिसकी खिड़कियों में शीशे लगे हुए थे। साधु ने सेठ को कांच के पार बाहर का नजारा दिखाया। शीशों से पेड़, उस पर चहकते पक्षी व दूसरी कई चीजें नजर आ रही थीं। यह देखकर सेठ प्रसन्न हो गया। उसके बाद साधु उसे एक दूसरे कमरे में लेकर गए। कमरों की खिड़कियों पर चांदी की चमकीली परत लगी हुई थी। साधु बोले, 'सेठ जी, जरा देखो तो इस चांदी की चमकीली परत के पार आप क्या देख पाते हैं?' सेठ चांदी की चमकीली परत के पास गया तो उसे अपने चेहरे के सिवाय और कुछ नहीं दिखा। बाहर के मनोरम दृश्य उस परत में खो गए थे। यह देखकर सेठ बोला, 'बाबा, यहां तो बाहर की दुनिया ही गायब है। चांदी की चमकीली परत में तो मुझे सिवाय अपने चेहरे के कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता जबकि कांच में से मुझे बाहर के मनोरम दृश्य दिखाई पड़ रहे थे।

आतंकवाद के मुद्दे पर किसी भी तरह का दोहरा मापदंड नहीं चलेगा

मॉस्को। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने आतंकवाद को लेकर दुनिया को चेताया है। मॉस्को में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बैठक में डोभाल ने कहा कि अब देशों को तय करना होगा कि वे आतंकवाद का समर्थन करने वालों के साथ हैं या उसके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने वालों के। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर किसी भी तरह का दोहरा मापदंड नहीं चल सकता। मॉस्को में आयोजित सुरक्षा मामलों के उच्च प्रतिनिधियों की 14वीं बैठक में बोलते हुए अजीत डोभाल ने कहा कि आतंकवाद आज पूरी दुनिया के लिए खतरा बन चुका है। ऐसे में कुछ देशों का आतंकवाद पर अलग-अलग रवैया अपनाना गंभीर चिंता का

विषय है। उन्होंने साफ कहा कि आतंकवाद को किसी भी रूप में सही नहीं ठहराया जा सकता। भारतीय दूतावास के मुताबिक इस बैठक की मेजबानी रूस की सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु ने की। बैठक में कई देशों के सुरक्षा और रणनीतिक मामलों से जुड़े प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डोभाल ने कहा कि जिम्मेदार देशों को अब स्पष्ट फैसला लेना होगा। उन्हें यह देखना होगा कि वे आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले तत्वों का समर्थन कर रहे हैं या फिर उसके खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तभी सफल होगी जब पूरी दुनिया एक समान नीति अपनाएगी। एनएसए ने वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं और ढांचे अब पुराने पड़ चुके हैं।

बांग्लादेश की सत्ताधारी पार्टी में टकराव से बढ़ी नेतृत्व की चिंता

ढाका। बांग्लादेश की सत्ताधारी पार्टी में आंतरिक कलह और फूट पड़ने का एक बड़ा खतरा सामने आ रहा है। देश में नई सरकार बने अभी केवल तीन महीने का ही समय बीता है, लेकिन इतनी जल्दी ही पार्टी के भीतर नेताओं का आपसी टकराव खुलकर सामने आने लगा है। अंदरूनी सूत्रों और वरिष्ठ नेताओं के मुताबिक, पार्टी का मुख्य काम फिलहाल उन निष्क्रिय नेताओं और जमीनी कार्यकर्ताओं को वापस मुख्यधारा में लाना है जो लंबे समय से अलग-थलग थे। हालांकि, सत्ता में आने के ठीक बाद कई क्षेत्रों में ताकत का अनुचित प्रभाव दिखाने, महत्वपूर्ण पदों के लिए आपसी प्रतिस्पर्धा करने और स्थानीय हितों पर आधारित आंतरिक टकराव बहुत तेजी से बढ़ गए हैं।

अब तुर्की की छाती पर भारत का ब्रह्मोस तानेगा साइप्रस।

जिस टेक्नोलॉजी से अमेरिका डराता था, उसी से किम ने बना डाली मिसाइल

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया एक बार फिर दुनिया के लिए बड़ी सैन्य चुनौती बनकर उभर रहा है। वहां के राष्ट्रप्रमुख किम जोंग उन ने हाल ही में जिन नए मिसाइल और टैक्टिकल स्ट्राइक सिस्टम का प्रदर्शन किया है, वे केवल हथियारों का सामान्य परीक्षण नहीं हैं, बल्कि युद्ध की पूरी रणनीति को बदलने का एक बड़ा संकेत हैं। प्योंगयांग अब पारंपरिक भारी तोपखाने और अधिक सैनिकों वाली अपनी पुरानी युद्ध नीति से आगे बढ़कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन और प्रिसिजन स्ट्राइक पर आधारित आधुनिक स्मार्ट वॉरफेयर मॉडल की तरफ तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इस सैन्य बदलाव का सीधा असर न सिर्फ कोरियाई प्रायद्वीप तक सीमित रहेगा, बल्कि पूरा हिंद-प्रशांत क्षेत्र इसकी सीधी जद में आ सकता है। हालिया परीक्षणों में उत्तर कोरिया ने हल्के मॉड्यूलर मिसाइल

लॉन्चर, मल्टीपल टैक्टिकल क्रूज मिसाइल सिस्टम और एआई-आधारित गाइडेंस टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन किया है। इन हथियारों का मुख्य उद्देश्य दुश्मन की जवाबी कार्रवाई करने की क्षमता को युद्ध के शुरुआती घंटों में ही पूरी तरह पंगु बना देना है।

सैन्य विशेषज्ञों के मुताबिक, उत्तर कोरिया का नया मॉड्यूलर लॉन्च सिस्टम अमेरिकी हिमार्स जैसी अत्याधुनिक अवधारणा पर आधारित है। इसका मतलब यह है कि एक ही लॉन्चर से अलग-अलग प्रकार की मिसाइलें दागी जा सकती हैं, जिससे दुश्मन के लिए यह समझना बेहद मुश्किल हो जाएगा कि लॉन्चर में किस तरह का हथियार तैनात है। यह रणनीति दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका की संयुक्त रक्षा योजनाओं के लिए एक गंभीर चुनौती बन सकती है। इसके अलावा, जिन टैक्टिकल क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया गया है, उनमें जमीन की भौगोलिक संरचना को पढ़ते हुए बेहद कम ऊंचाई पर उड़ने वाली खास तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह तकनीक मिसाइलों को रडार की नजरों से बचते हुए लक्ष्य तक पहुंचने में सक्षम बनाती है, जिससे दक्षिण कोरिया के सैन्य ठिकानों, एयरबेस और कमांड सेंटरों पर अचानक सटीक हमला करना संभव हो जाएगा।

उत्तर कोरिया ने इन मिसाइलों की मारक क्षमता करीब 100 किलोमीटर तक होने का दावा किया है। इस तकनीक के कारण लक्ष्य की पहचान होते ही कुछ ही सेकंड में हमला किया जा सकता है।

अब अमेरिकी मुद्रा पर डोनाल्ड ट्रंप की छपेगी तस्वीर?

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नजर अब अमेरिकी डॉलर पर है और वहां एक ऐसे नए प्रस्ताव को लेकर चर्चाएं बेहद तेज हो गई हैं, जिसके तहत 250 डॉलर का एक नया नोट जारी किया जा सकता है। इस नए नोट की खास बात यह होगी कि इस पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर छापी जा सकती है। हालांकि, इस योजना को धरातल पर उतारने की राह में अमेरिका का एक 160 साल पुराना कानून सबसे बड़ी दीवार बनकर खड़ा है। दरअसल, रिपब्लिकन सांसद जो विल्सन ने पिछले साल एक बिल पेश किया था, जिसमें अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को ट्रंप की तस्वीर वाले 250 डॉलर के नोट छापने का निर्देश देने की बात कही गई थी। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी भी हाउस फाइनेंशियल सर्विसेज कमेटी के पास लंबित है, लेकिन अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की हालिया सक्रियता के कारण इस मुद्दे पर अचानक बहस दोबारा गरमा गई है।

ताजा जानकारी के अनुसार, अमेरिकी ट्रेजरर ब्रैंडन बीच और उनके वरिष्ठ सलाहकारों ने 250 डॉलर के नोट के शुरुआती प्रोटोटाइप तैयार करने की मांग की थी। ट्रेजरी विभाग ने भी इस बात की पुष्टि की है कि इस सक्रिय विधायी प्रस्ताव को देखते हुए संबंधित ब्यूरो पहले से ही आवश्यक तैयारियां कर रहा है। विभाग का कहना है कि यह वर्तमान प्रक्रिया सिर्फ एक संभावित स्मारक नोट के निर्माण की योजना और तकनीकी अध्ययन का एक हिस्सा मात्र है। इस पूरे मामले में सबसे बड़ी कानूनी रुकावट 1866 में बना वह ऐतिहासिक नियम है, जो स्पष्ट रूप से यह प्रावधान करता है।

पुतिन का नया हथियार, दुश्मन के रडार को चकमा देने में माहिर

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का एक ऐसा घातक हथियार इन दिनों दुनिया भर के सैन्य विश्लेषकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसे आसमान में ट्रैक करना नामुमकिन माना जा रहा है। यह आधुनिक हथियार पारंपरिक बैलिस्टिक मिसाइलों की तरह सीधे रास्ते पर नहीं चलता, बल्कि किसी जहरीले सांप की तरह हवा में जिग-जैग यानी लहराते हुए आगे बढ़ता है। इसकी अकल्पनीय रफ्तार और पल-पल अपना रास्ता बदलने की अद्भुत चालाकी के सामने पश्चिमी देशों के सबसे आधुनिक रडार सिस्टम भी पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं। यहाँ तक कि अमेरिका का अरबों डॉलर की लागत से बना थाड मिसाइल डिफेंस सिस्टम भी इसके सामने एक लाचार खिलौने जैसा नजर आता है।

अश्विन बोले, हेड को लेकर फैसला करे सनराइजर्स।

अंबाती ने यशस्वी को किसी अन्य टीम में जाने सुझाव दिया

हैदराबाद। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा कह है कि राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को किसी अन्य टीम में जाना चाहिये। रायडू के अनसार राजस्थान रॉयल्स में जिस प्रकार से है उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी खेल रहे हैं। उसके कारण सभी का ध्यान उनपर है।ऐसे में यशस्वी की अच्छी पारियों पर भी किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। रायुडू के अनुसार इन हालातों में यशस्वी को किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के लिए खेलना चाहिये। रायुडू के अनुसार यशस्वी अपने बल पर टीम को मैच जिता सकते हैं पर रॉयल्स में वैभव की चमक में वह पीछे होते जा रहे हैं।

रायुडू ने कहा कि यशस्वी को अब ऐसी टीम में जाना चाहिए जहां वह अपने को बेहतर तरीके से

स्थापित कर सकें। रायुडू ने कहा, उसे टीम बदलनी चाहिए, क्योंकि वह हर बार वैभव के साथ बल्लेबाजी करते हुए दब नहीं सकता। वह खुद भी बड़ा खिलाड़ी है। अगर वह किसी दूसरी टीम में जाता है तो अपने बल पर टीम को मैच जिताने में सक्षम है।

इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उसे एक ऐसा मंच चाहिये जिसपर वह खुलकर खेल सके। वैभव लगातार बाकी खिलाड़ियों पर भारी पड़ता पड़ता जा रहा है। उसके साथ एक अनुभवी साझेदार होना चाहिए जो इस स्थिति को समझ सके और मुकाबला करने का प्रयास न करे। आप उसके साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते।

साथ ही कहा कि यशस्वी को मुंबई इंडियंस जाना चाहिये जहां वह पारी की शुरुआत भी कर सकते हैं। रायुडू ने माना कि मुंबई इंडियंस उनके लिए एक अच्छी फ्रेंचाइजी साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, मुंबई इंडियंस यशस्वी के लिए शानदार टीम हो सकती है। वह मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट भी खेलते हैं, इसलिए यह उनके लिए ठीक रहेगी।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में जहां वैभव ने आक्रामक बल्लेबाजी की। वहीं वैभव धीमी गति से खेलते दिखे। पावरप्ले में यशस्वी ने 16 गेंदों में केवल 19 रन बनाए, जबकि वैभव ने 20 गेंदों में 60 रन बनाये।

आईसीसी ने महिला टी20 विश्व के लिए मैच अधिकारी घोषित किये

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले माह जून में होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। इसके लिए घोषित सभी मैच अधिकारी महिलाएं हैं। यह लगातार तीसरा अवसर है जब टूर्नामेंट में पूरी तरह से महिला मैच अधिकारियों को रखा गया है। इस पैनल में चार अधिकारी कैंडेस ला बोर्डे, गायत्री वेणुगोपालन, केरिन क्लास्टे और शतिरा जाकिर जेसी हो पहली बार पैनल में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने बताया कि महिला मैच अधिकारियों यह पैनल खेल के सभी पहलुओं में प्रतिनिधित्व बढ़ाने और महिला अधिकारियों की प्रगति के प्रति आईसीसी की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

इसमें 33 मैचों के लिए कुल 14 अंपायर और चार मैच रेफरी रखे गये हैं। जिनमें से 9 अधिकारी 2024 एडिशन से वापस लौटेंगे। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारी क्लेयर पोलोसाक सबसे अनुभवी हैं, जो अपनी छठी उपस्थिति दर्ज करेंगी और उन्होंने पहले 22 मैचों में अंपायरिंग की है। वहीं जैकलीन विलियम्स और किम कॉटन भी 19-19 मैचों के अनुभव के साथ पांच टी20 विश्व कप के मील के पत्थर तक पहुंचेंगी। मैच रेफरी में शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी और मिशेल परेरा 2024 एडिशन से लौट रही हैं, जबकि न्यूजीलैंड की ट्रुडी एंडरसन भी इस समूह में शामिल हैं।

असम के गोलाघाट में इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन की प्रो बॉक्सिंग लीग का द्वितीय सेलेक्शन ट्रायल 5 से 7 जून 2026 को: डॉ. राकेश मिश्र

काजीरंगा राइनो कप-2026 के माध्यम से पाँच पुरूष एवं तीन महिला मुक्केबाजों का होगा चयन-राकेश ठाकरान

नई दिल्ली/गोलाघाट (असम)। इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन (द्धक्क्ग्र) एवं असम बॉक्सिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 5, 6 एवं 7 जून 2026 को गोलाघाट स्टेडियम, असम में 卐काजीरंगा राइनो कप-2026卐 का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता नई दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में 6 से 10 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाली प्रो बॉक्सिंग लीग (क्क्रु) के लिए द्वितीय क्वालीफाइंग एवं सेलेक्शन ट्रायल के रूप में आयोजित की जा रही है।

प्रतियोगिता के माध्यम से विभिन्न भार वर्गों में पाँच पुरूष एवं तीन महिला मुक्केबाजों का चयन किया जाएगा, जिन्हें आगामी प्रो बॉक्सिंग लीग में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

पूर्वोत्तर राज्यों में बॉक्सिंग की असीम संभावनाएं- डॉ. राकेश मिश्र

इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत के राज्यों ने हमेशा भारतीय बॉक्सिंग को उत्कृष्ट प्रतिभाएँ दी हैं और अनेक मुक्केबाजों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से 卐काजीरंगा राइनो कप-2026卐 का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देशभर में बॉक्सिंग के क्षेत्र में एक नई क्रांति लाने की आवश्यकता है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए भारतीय महिला एवं पुरुष मुक्केबाजों के बीच नया उत्साह एवं प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण तैयार किया जा रहा है। खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, बेहतर अवसर एवं आकर्षक नगद पुरस्कारों के माध्यम से तैयार किया जा रहा है ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर सकें।

डॉ. मिश्र ने बताया कि इसी क्रम में आगामी 5 से 7 जून तक गोलाघाट स्टेडियम में बॉक्सिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें देशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग लेंगे।

प्रो बॉक्सिंग लीग की भव्य - दिव्य तैयारियों हेतु हो रहा आयोजन- राकेश ठाकरान

आईएबीएफ के महासचिव राकेश ठाकरान ने जानकारी देते हुए बताया कि 6 से 10 जुलाई 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाली प्रो बॉक्सिंग लीग का संचालन एवं प्रोडक्शन देश की प्रसिद्ध कंपनी बुक माई शो द्वारा किया जाएगा। जबकि इसके सीधा प्रसारण हेतु जियोस्टार ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रतिदिन चार घंटे का सीधा प्रसारण किया जाएगा। लीग की सभी तैयारियाँ तेजी से पूर्ण की जा रही हैं तथा खिलाड़ियों के लिए लगातार मैच ट्रायल एवं चयन प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं।

विजेताओं को मिलेंगे नगद पुरस्कार- संजीव हांडिक

इस प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को आकर्षक नकद पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। प्रत्येक भार वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता को 11,000 तथा रजत पदक विजेता को 5,100 की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके अतिरिक्त सर्वश्रेष्ठ टीम को 21,000 एवं बेस्ट रेफरी/जज को 5,000 की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी।

आयोजन समिति के सचिव की संजीव हांडिक के अनुसार यह प्रतियोगिता देशभर के युवा मुक्केबाजों को राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के साथ-साथ भारतीय बॉक्सिंग को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।उन्होंने अपील की है कि सभी बॉक्सर अपना पंजीकरण करवा कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें।

ब्रीफ न्यूज

निगम मुख्यालय में हुआ सेवानिवृत कर्मचारियों का सम्मान समारोह

सेवानिवृत कर्मचारियों को भगवत गीता एवं प्रशस्ति पत्र भेंट करते हुए सम्मानित किया गया

उज्जैन। नगर निगम परिवार में अपना सेवाकाल पूर्ण कर चुके कर्मचारियों का नगर निगम द्वारा सेवानिवृत सम्मान समारोह शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय में समारोह पूर्वक आयोजित करते हुए सेवानिवृत हो रहे कर्मचारियों का एमआईसी सदस्य श्री शिवेंद्र तिवारी, नेता प्रतिपक्ष डॉ रवि राय, अपर आयुक्त श्री पुनीत शुक्ला, उपायुक्त श्री योगेंद्र सिंह पटेल द्वारा शाल, श्रीफल,भगवत गीता, प्रशस्ति पत्र एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया गया एवं सेवानिवृत्ति के पश्चात स्वस्थ एवं सुखी जीवन की शुभकामनाएं दी गई।

इस अवसर पर नगर निगम में दीर्घ एवं गौरवशाली सेवाकाल पूर्ण करने के पश्चात सेवानिवृत होने वाले कर्मचारी श्री हरिदास गंगादास भृत्य राजस्व विभाग अन्यकर, श्री देवानंद बाबूलाल भृत्य स्वास्थ्य विभाग, श्री सुरेश पिता बाबूलाल भाटी नियमित पीएचई विभाग, श्री सेवाराम पिता रघुनाथ बिल वितरण कार्यभारित पीएचई विभाग, श्री सुरेश पिता श्रीधर पाठक पंप चालक कार्यभारित पीएचई विभाग, श्री अमृतलाल पिता बाबूलाल स्वीपर कार्यभारित पीएचई विभाग का सम्मान किया गया।

इस दौरान लेखा अधिकारी श्रीमती सरिता मांडरे, कर्मचारी संघ से श्री नितिन मुसले, श्री शैलेश नागर, श्री दिलीप दवे एवं निगम के कर्मचारी उपस्थित रहें।

महापौर श्री मुकेश टटवाल ई रिक्शा में सवार होकर निरीक्षण करने निकले

उज्जैन। पेट्रोल-डीज़ल के मितव्ययिता पूर्ण उपयोग के दृष्टिगत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देशवासियों से की गई अपील एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव जी के आवाहन पर उज्जैन नगर पालिक निगम में भी महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा शुक्रवार को ई रिक्शा में बैठकर शहर का निरीक्षण किया गया।

साथ ही महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा उज्जैन शहर के पार्षदों, जनप्रतिनिधियों, समस्त नागरिकों से भी अपील की है कि सप्ताह में एक दिन वाहनों का प्रयोग ना करते हुए डीजल एवं पेट्रोल की खपत को बचाए एवं इलेक्ट्रिक वाहनों ई रिक्शा का उपयोग करें और डीजल की खपत को कम करने में सहयोग करें।

बाबा महाकाल के सवारी मार्ग को एकरूपता में बनाने हेतु ,महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा क्षेत्र के दुकानदारों एवं रहवासियों को पत्र लिखा

उज्जैन। बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन केवल एक शहर ही नहीं बल्कि हमारी आस्था, संस्कृति और सनातन परम्परा का जीवंत स्वरूप है, मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में और आप सभी क्षेत्र के नागरिकों के सहयोग से कंठाल से सतीगेट होते हुए गोपाल मंदिर सवारी मार्ग आदि का चौड़ीकरण एवं सौन्दर्यकरण का कार्य प्रगति पर है। यह मार्ग केवल आवागमन का रास्ता नहीं बल्कि बाबा महाकाल की भक्ति, हमारी धार्मिक गरिमा और उज्जैन की पहचान का प्रतीक है।

हम सभी का यह नैतिक एवं धार्मिक दायित्व है कि जब देश-विदेश से श्रृद्धालु बाबा महाकाल के दर्शनों हेतु उज्जैन आएं तब उन्हें हमारी नगरी में एकरूपता, स्वच्छता, सुंदरता और आध्यात्मिकता एवं भव्यता का अदभुद स्वरूप दिखाई दे, इसलिए अपने भवनों एंव दुकानों के बाहरी रंग एक समान करें, दुकानों के साईन बोर्ड एकरूपता लिये हुये हों, इसी क्रम में शुक्रवार को कंठाल से सती गेट एवं गोपाल मंदिर क्षेत्र के दुकानदारों को महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा लिखे गए पत्र सौंपे गए ओर कहा कि आपका यह सहयोग उज्जैन की दिव्यता और भव्यता को नई पहचान देगा, यह कार्य केवल विकास नहीं बल्कि बाबा महाकाल की सेवा और हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का पुण्य प्रयास है, आईए हम सभी मिलकर संकल्प लें बाबा महाकाल की इस पावन नगरी को देश की सबसे सुंदर सुव्यवस्थित और आध्यात्मिक नगरी बनाएंगें।

सीएम मोहन यादव प्रशिक्षण महाअभियान में हुए शामिल

उज्जैन में भाजपा के दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में 200 कार्यकर्ता मौजूद

उज्जैन (ब्यूरो)। उज्जैन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया जा रहा है। इसका शुभारंभ राजाराम रिसॉर्ट में हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहले दिन शामिल हुए। इस प्रशिक्षण वर्ग में लगभग 200 कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को प्रशिक्षण वर्ग में भाग लेने के लिए उज्जैन पहुंचे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। यह प्रशिक्षण वर्ग 28 और 29 मई को आयोजित किया जा रहा है।

गुरुवार को पहले दिन के प्रशिक्षण वर्ग में लगभग 200 कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही। इनमें सांसद, विधायक, जिला पदाधिकारी, जिला मोर्चा अध्यक्ष एवं महामंत्री, मंडल

प्रभारी शामिल थे। दूसरे दिन शुक्रवार को समापन सत्र में प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल शामिल होंगे।

कार्यकर्ताओं को वैचारिक और संगठनात्मक प्रशिक्षण

प्रशिक्षण वर्ग में नगर के सभी कार्यकर्ताओं को वैचारिक एवं संगठनात्मक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पहले दिन सुबह के सत्र में राज्यसभा सांसद बाल योगी उमेशनाथ, विधायक अनिल जैन, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव और भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसमें प्रकोष्ठ संयोजक, मंडल अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी तथा राष्ट्रीय एवं प्रदेश समिति सदस्य भी शामिल हुए।

जनसेवा के संकल्प को और अधिक दृढ़ करेंगे

जिला मीडिया प्रभारी दिनेश जाटवा ने बताया कि इस प्रशिक्षण वर्ग से जनप्रतिनिधियों में वैचारिक प्रतिबद्धता और जनसेवा के संकल्प को और अधिक दृढ़ किया जाएगा। भाजपा संगठन में प्रशिक्षण का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को लगातार सीखने, आत्ममंथन करने और जनसेवा के लिए सदैव समर्पित रहने के साथ ही सैद्धांतिक और व्यवहारिक विषयों पर प्रशिक्षित करना है।

महाकाल मंदिर में सगाई की रस्म निभाई, वीडियो किया वायरल

गणेश मंडपम में पहनाई रिंग; पंडित के जरिए प्रोटोकाल दर्शन व्यवस्था से किया था प्रवेश

उज्जैन (ब्यूरो)। महाकाल मंदिर में कई श्रद्धालु प्रतिबंध के बावजूद मंदिर में प्रवेश से लेकर भगवान के दर्शन तक की रील बनाकर पोस्ट करते हैं। लेकिन, दिल्ली के दो भक्तों ने न सिर्फ रील बनाई, बल्कि एक-दूसरे को रिंग पहनाकर सगाई करने का वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट भी कर दिया।

मामला नंदी हॉल के पास पहले बैरिकेड का है। वीडियो में महाकाल शिवलिंग के सामने युवक पहले युवती को रिंग पहनाता नजर आ रहा है, वहीं बाद में युवती भी युवक को रिंग पहनाकर सगाई की रस्म निभाती दिखाई दे रही है।

यह वीडियो पुलकित मल्होत्रा और गिन्नी खंडूजा ने अपनी इंस्टा आईडी पर पोस्ट किया था। जिसमें

लिखा है, %जब महाकाल राजी तो क्या करेगा काजी।% वीडियो में युवक और युवती प्रोटोकॉल वाले रास्ते से मंदिर में प्रवेश करते नजर आ रहे हैं।

खास बात यह है कि इस दौरान किसी ने भी उन्हें वीडियो बनाने से नहीं रोका। दोनों एक-दूसरे का हाथ पकड़कर मंदिर में प्रवेश करते दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद गणेश मंडपम के पहले बैरिकेड से दर्शन करते हुए दोनों एक-दूसरे को डिब्बे से रिंग निकालकर पहनाते हैं।

मंदिर समिति ने डिलीट करवाया वीडियो

वीडियो वायरल होने के बाद महाकाल मंदिर समिति के सहायक प्रशासक आशीष पलवड़िया ने तुरंत संज्ञान लेते हुए यूट्यूब से वीडियो डिलीट करवा दिया। वहीं, वीडियो बनाने वाले और दोनों को प्रोटोकॉल के रास्ते दर्शन की व्यवस्था कराने वाले का भी पता लगा लिया गया।

पता चला कि वीडियो में दिख रहे युवक-युवती को मंदिर के पुजारी के माध्यम से प्रवेश मिला था। वीडियो भी किसी सहायक ने ही बनाया था। मंदिर की आईटी शाखा से सीसीटीवी फुटेज निकालकर उन पर भी कार्रवाई की बात कही गई है। वीडियो वायरल होने के बाद वीडियो में दिख रहे युवक और युवती के मंदिर प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी की जा रही है।

वीडियो को 24 घंटे के भीतर 8 लाख लाइक्स

पुलकित और गिन्नी द्वारा पोस्ट किए गए सगाई के वीडियो को 24 घंटे के भीतर 8 लाख से अधिक लाइक्स मिले हैं। लेकिन अब सवाल यह उठता है कि महाकाल मंदिर समिति के कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी उस समय कहां थे, जब दोनों ने गणेश मंडपम में एक-दूसरे को रिंग पहनाकर सगाई की रस्म निभाई और वीडियो बनाया, जबकि मंदिर में वीडियो बनाने पर प्रतिबंध लगा हुआ है।

इससे पहले दोनों वीआईपी प्रवेश द्वार से एंट्री लेते हुए भी नजर आ रहे हैं। ऐसे में सवाल यह भी है कि उन्होंने प्रोटोकॉल से प्रवेश किया था या फिर किसी जुगाड़ से वीआईपी गेट से दर्शन के लिए पहुंचे थे।

फ्रीगंज ओवरब्रिज के अगले चरण का काम ग्रांड होटल के सामने से शुरू होगा

बैरिकेट्स लगाकर जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य, प्रशासन की रहेगी नजर

उज्जैन (ब्यूरो)। शहर में निर्माणाधीन ब्रिज और ओवरब्रिज के निर्माण कार्य का गुरुवार को संभागायुक्त और कलेक्टर ने निरीक्षण किया। इस दौरान बताया गया कि फ्रीगंज आर ओ बी के दूसरे चरण का काम जल्द शुरू होगा।

संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने अलग-अलग साइट पर पहुंचकर काम की प्रगति, गुणवत्ता और तकनीकी जानकारी ली। इस दौरान चामुंडा माता चौराहा से फ्रीगंज की ओर बन रहे रेलवे ओवरब्रिज का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को बताया गया कि अब ग्रांड होटल के सामने से निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि निर्माण स्थल पर बैरिकेडिंग और चद्दर लगाकर काम शुरू किया जाए, ताकि यातायात प्रभावित न हो और लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही काम में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए।

टू-लेन आरओबी की गुणवत्ता जांचने के निर्देश...

उज्जैन-मक्सी मार्ग पर पुराने समपार क्रमांक-2 के समानांतर बन रहे टू-लेन रेलवे ओवरब्रिज का भी निरीक्षण किया गया। आईटीआई के सामने बन रहे इस ब्रिज पर निर्माण कार्य जारी मिला। संभागायुक्त ने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित करने के लिए नियमित लैब टेस्ट कराने के निर्देश दिए।

उज्जैन के विक्रमनगर में जलसंकट, 400 परिवार परेशान

टैंकर आते ही पाइप लेकर टूट पड़ते हैं लोग, धक्का-मुक्की में भरना पड़ रहा पानी

उज्जैन (ब्यूरो)। उज्जैन के विक्रमनगर क्षेत्र की गांधीनगर और आसपास की कॉलोनियों में भीषण जलसंकट है। यहां करीब 400 परिवार वर्षों से नियमित पानी की आपूर्ति और नल कनेक्शन का इंतजार कर रहे हैं। गर्मी बढ़ने के साथ ही स्थिति और गंभीर हो गई है, जिससे लोगों की दिनचर्या पानी के इंतजार में बीत रही है।

निवासियों का आरोप है कि क्षेत्र में नियमित जल आपूर्ति न होने के कारण वे पूरी तरह से पीएचई (लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी) विभाग के पानी के टैंकरों पर निर्भर हैं। हालांकि, ये टैंकर भी दो से तीन दिन में एक बार ही पहुंचते हैं। टैंकर आने पर पानी भरने के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन जाता है।

लोग अपने घरों के बाहर ड्रम, केन, बाल्टियां और लंबी पाइप लेकर इंतजार करते रहते हैं।

गांधीनगर में जैसे ही पानी का टैंकर पहुंचता है, गलियों में भीड़ उमड़ पड़ती है। महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे और मजदूर सभी पानी भरने के लिए टैंकर की ओर दौड़ पड़ते हैं। कई लोग चलते टैंकर में पाइप डालकर पानी भरते हैं, जबकि कुछ टैंकर पर चढ़ जाते हैं। पानी भरने की होड़ में अक्सर धक्का-मुक्की और विवाद की स्थिति भी बन जाती है।

स्थानीय निवासी सीमा परमार ने बताया कि क्षेत्र में पानी की समस्या इतनी गंभीर है कि लोगों को पीने का पानी लाने के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कई बार पड़ोसी भी पानी देने से मना कर देते हैं, क्योंकि हर घर में पानी की कमी है। परमार के अनुसार, कई परिवार अस्पताल क्षेत्र के पास से डिब्बों में पीने का पानी भर कर लाते हैं, जबकि नहाने-धोने के लिए अलग से व्यवस्था करनी पड़ती है।

एक अन्य निवासी रेखा ने बताया कि यह स्थिति वर्षों से बनी हुई है। पानी के टैंकर के आने का कोई निश्चित समय नहीं होता। यह कभी शाम को तो कभी देररात पहुंचता है। लोग घंटों इंतजार करते रहते हैं। कई महिलाओं को अपनी मजदूरी और घर का काम छोड़कर केवल पानी के इंतजार में बैठना पड़ता है। उन्होंने कहा, यदि पानी नहीं भर पाए, तो पूरे परिवार को परेशानी उठानी पड़ती है।

लंदन से मां सरस्वती की प्रतिमा लाकर भोजशाला में स्थापित करे सरकार

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष बोले- भोजशाला भारतीय संस्कृति, ज्ञान और आस्था का जीवंत केंद्र- संतों ने किया पूजन-अर्चन

उज्जैन (ब्यूरो)। राजा भोज की ऐतिहासिक नगरी धार स्थित भोजशाला रविवार को धार्मिक आस्था और सनातन चेतना का केंद्र बन गई, जब अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज ने यहां पहुंचकर मां सरस्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उनके साथ उज्जैन से पहुंचे कई संत मौजूद रहे।

इस दौरान महंत रवींद्र पुरी महाराज ने सबसे बड़ी मांग उठाते हुए कहा कि अंग्रेजों के समय भोजशाला से ले जाई गई मां सरस्वती की प्राचीन प्रतिमा वर्तमान में लंदन में रखी हुई बताई जाती है। केंद्र और राज्य सरकार को पहल कर उस प्रतिमा को वापस भारत लाना चाहिए और भोजशाला में पुन: स्थापित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि करोड़ों सनातन श्रद्धालुओं की भावनाएं इस मांग से जुड़ी हुई हैं। रवींद्र पुरी महाराज ने कहा कि भोजशाला केवल एक इमारत नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और आस्था का जीवंत प्रतीक है। राजा भोज के समय यह स्थान विद्या, साहित्य और आध्यात्मिक साधना का प्रमुख केंद्र माना जाता था, जहां मां सरस्वती की आराधना होती थी। यहां की हर शिला भारतीय इतिहास और सनातन चेतना की कहानी कहती है। उन्होंने कहा कि भोजशाला की पवित्रता और ऐतिहासिक महत्व को बनाए रखना पूरे समाज की जिम्मेदारी है। संत समाज की भावना इस स्थल से गहराई से जुड़ी हुई है। भोजशाला की स्थापत्य कला, प्राचीन स्तंभ, नक्काशी और ऐतिहासिक संरचना आज भी लोगों को आकर्षित करती है। यही वजह है कि यहां देशभर से श्रद्धालु और इतिहास प्रेमी पहुंच रहे हैं।

सुरेश उपहार और हरसिद्धि रेस्टोरेंट पर खाद्य विभाग का एक्शन

किचन में मिली गंदगी; पनीर, जलेबी और लस्सी के नमूने लेकर थमाया नोटिस

उज्जैन (ब्यूरो)। उज्जैन में खाद्य विभाग की संभागीय टीम ने हरसिद्धि मंदिर के पास संचालित रेस्टोरेंट्स में जांच की। जांच के दौरान हरसिद्धि रेस्टोरेंट में कई अनियमितताएं पाए जाने पर पनीर, जलेबी, लस्सी और दही के नमूने लेकर रेस्टोरेंट संचालक को नोटिस दिया गया। वहीं, सुरेश उपहार गृह एवं रेस्टोरेंट में भी जांच के दौरान अमानक घी मिलने पर नमूने लेकर कार्रवाई की गई।

शुक्रवार दोपहर को हरसिद्धि माता मंदिर के पास संचालित हरसिद्धि रेस्टोरेंट और सुरेश उपहार गृह में संभागीय खाद्य विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए जांच की। जांच के दौरान सुरेश उपहार गृह एवं रेस्टोरेंट में रोटी पर लगाए जा रहे घी की जांच की गई, जो अमानक डालडा निकला।

इसके बाद टीम ने कार्रवाई करते हुए घी के नमूने लिए। वहीं, हरसिद्धि रेस्टोरेंट के किचन में गंदगी सहित कई अनियमितताएं पाई गईं। टीम ने यहां से पनीर, जलेबी, दही और लस्सी के सैंपल लेकर भोपाल लैब में जांच के लिए भेजने की बात कही।

दरअसल, खाद्य विभाग के संभागीय दल में बसंत शर्मा, बीएस जामोद, प्रदीप लकड़े, बीएस देवलिया और सरेंडर सिंह मौजूद रहे। खाद्य अधिकारी बसंत शर्मा ने बताया कि महाकाल मंदिर के आसपास रोजाना हजारों की संख्या में श्रद्धालु अलग-अलग रेस्टोरेंट्स में भोजन ग्रहण करते हैं। श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए टीम ने संबंधित रेस्टोरेंट संचालकों पर कार्रवाई करते हुए नोटिस थमाया है।

फर्जी क्लिनिकों की बाढ़, 140 में 112 अवैध निकले

उज्जैन (ब्यूरो)। जिले में सेहत से खिलवाड़ का धंधा जोरों पर है। खुद स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े बता रहे हैं कि 80 प्रतिशत से ज्यादा क्लीनिक/अस्पताल जिले में अवैध रूप से चल रहे हैं। पिछले 15 दिनों में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 140 क्लीनिक/अस्पतालों की जांच की जिसमें से 112 अवैध रूप से चल रहे थे।

प्रशासन ने 18 को सील किया है और बाकी से जवाब मांगा है। स्वास्थ्य विभाग ने एक बच्ची की मौत के बाद कलेक्टर के आदेश पर 10 मई से जिलेभर में चैकिंग अभियान चलाया था। इसके लिए पांच टीमें बनाई गई थीं। सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि 140 संस्थानों की जांच टीम ने की जिसमें से 112 (अस्पताल और क्लीनिक) ऐसे थे जो

बिना वैध रजिस्ट्रेशन, आवश्यक अनुमति और निर्धारित मापदंडों के विपरीत चलते पाए गए। यह मध्यप्रदेश उपचर्या गृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं अधिनियम 1973 के प्रावधानों का खुला उल्लंघन है। ऐसे सभी संचालकों को नोटिस जारी कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अब रजिस्ट्रेशन के लिए लगी कतार

प्रशासनिक कार्रवाई के बाद अवैध रूप से दुकान चला रहे डॉक्टरों और संचालकों में हड?प मच गया है। क्लीनिक वैध करने के लिए पिछले 10 दिनों में विभाग को 57 नए आवेदन प्राप्त हो चुके हैं जिनमें होम्योपैथिक के 25, आयुर्वेदिक के 16, एलोपैथी के 11, डेंटल (दंत चिकित्सा) के 3 आवेदन और पैथोलॉजी लैब के 2 आवेदन शामिल हैं।

भ्रामक विज्ञापनों पर भी रहेगी नजर

स्वास्थ्य विभाग सोशल मीडिया पर किए जा रहे फर्जी दावों को लेकर भी सख्त है। डॉ. पटेल ने चेतावनी दी है कि यदि कोई क्लीनिक या संस्थान सोशल मीडिया के माध्यम से उपचार संबंधी भ्रामक प्रचार कर स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करता पाया गया तो उसके खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गोवर्धन सागर में घुला सीवरेज का पानी... ऑक्सीजन की कमी से मरीं मछलियां, बदबू से रहवासी परेशान, जांच के लिए मौके पर पहुंचे नगर निगम अपर आयुक्त

उज्जैन (ब्यूरो)। सप्तसागर में शामिल गोवर्धन सागर एक बार फिर प्रदूषण की चपेट में आ गया है। लगातार सीवरेज का गंदा पानी मिलने से तालाब में ऑक्सीजन की कमी हो गई, जिसके चलते गुरुवार सुबह बड़ी संख्या में मछलियां मृत मिलीं। मछलियों के मरने से पूरे क्षेत्र में तेज बदबू फैल गई और आसपास रहने वाले लोग परेशान हो उठे।

सुबह मामले की सूचना मिलते ही नगर निगम के अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने गोवर्धन सागर का निरीक्षण किया और कहा कि कहां-कहां से गंदा पानी तालाब में मिल रहा है, इसकी जांच कराई जाएगी। साथ ही जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि विक्रमादित्य क्लॉथ मार्केट और आसपास की बस्तियों का सीवरेज वर्षों से सीधे गोवर्धन सागर में छोड़ा जा रहा है। यहां पानी निकासी के लिए कोई बड़ा नाला या वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने के कारण पूरा गंदा पानी तालाब में पहुंच रहा है। इसी कारण तालाब का पानी लगातार प्रदूषित होता जा रहा है। नगरकोट क्षेत्र निवासी मंजीत सिंह ने बताया कि मछलियों के मरने के बाद इतनी बदबू फैल गई है कि घर के बाहर खड़ा रहना मुश्किल हो रहा है। लोगों को संक्रमण फैलने का भी डर सताने लगा है।उल्लेखनीय है कि गोवर्धन सागर को लेकर एनजीटी में मामला भी चल रहा है।

» न्यूज कैप्सूल »

चांदी की पायल बताकर थमा दी गिलट

ललितपुर। थाना सौजना क्षेत्र के ग्राम कोरवास में चांदी के असली आभूषण बताकर नकली पायल गिरवी रखवाने और युवक से 15 हजार रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दो नामजद समेत तीन आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम कोरवास निवासी सोनू राजा पुत्र जगभान सिंह ने थाना सौजना में दी गई तहरीर में बताया कि 26 मई 2026 को दोपहर करीब 2 बजे वह अपने घर पर मौजूद थे। तभी ग्राम कुम्हेड़ी निवासी धनीराम पुत्र धवले कुशवाहा दो अन्य लोगों के साथ उनके घर पहुंचा। धनीराम ने अपने साथ आए व्यक्ति का परिचय अपने जीजा रामचरन कुशवाहा निवासी लुहर्रा के रूप में कराया, जबकि तीसरा व्यक्ति अज्ञात बताया गया। आरोप है कि धनीराम ने सोनू राजा से कहा कि उसके जीजा को पैसों की सख्त जरूरत है और वह अपने चांदी के आभूषण बेचना चाहते हैं। जब सोनू ने आभूषण खरीदने से इनकार कर दिया तो आरोपियों ने उन्हें जेवर गिरवी रखने का प्रस्ताव दिया और भरोसा दिलाया कि बाद में रुपये लौटाकर आभूषण वापस ले लेंगे।

बच्चों के विवाद में खूनी संघर्ष

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र के ग्राम बनयाना में बच्चों के बीच हुए मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि रंजिश मानकर गांव के चार लोगों ने घर पर पहुंचकर लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से हमला कर महिला सहित दो लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम बनयाना निवासी करनल सिंह पुत्र महेंद्रपाल सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 26 मई 2026 की शाम करीब 6.30 बजे गांव में बच्चों के खेल को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसी बात को लेकर गांव के मधुराजा, पप्पी राजा पुत्रगण हरनाम सिंह तथा कसान सिंह और गोविंद सिंह पुत्र स्व.छविराम सिंह रंजिश मानने लगे। आरोप है कि कुछ देर बाद चारों आरोपी लाठी, डंडे और कुल्हाड़ी लेकर उनके घर आ धमके और गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। जब परिवार के लोगों ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया तो आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित के अनुसार हमलावरों ने उनकी पत्नी गोरेजू तथा भतीजे बृजभान सिंह पुत्र केहर सिंह पर कुल्हाड़ी और लाठियों से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना के दौरान चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके की ओर दौड़े, जिन्हें आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

कोर्ट के आदेश पर चकबंदी लेखपाल

ललितपुर। चकबंदी विभाग में कथित अनियमितता और साठगांठ कर जमीन संबंधी अभिलेखों में फेरबदल करने का मामला सामने आया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने चकबंदी लेखपाल, सहायक चकबंदी अधिकारी (एसीओ) और कानूनगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला चमारपुरा (रैवारपुरा) निवासी महेंद्र कुमार गौतम पुत्र स्व.चंद्रभान गौतम ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि ग्राम किकरवा स्थित खाता संख्या 271 की करीब 6.584 हेक्टेयर भूमि पर उनका कब्जा और काश्तकारी है। गांव में वर्ष 2018 से चकबंदी प्रक्रिया चल रही है। भूमि विवाद को देखते हुए तत्कालीन चकबंदी लेखपाल सुदीप कुमार और कानूनगो द्वारा 10 जनवरी 2024 को भूमि पर स्थगन आदेश पारित किया गया था, जिससे अंतिम निर्णय होने तक किसी प्रकार की कार्रवाई रोकी गई थी। आरोप है कि बाद में नए चकबंदी लेखपाल अतुल गुप्ता, सहायक चकबंदी अधिकारी अर्चना मिश्रा तथा कानूनगो कर्मचंद्र राय ने आपसी साठगांठ कर दूसरे पक्ष को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से नियमों की अनदेखी करते हुए 1 सितंबर 2025 को धारा-6 के अंतर्गत आदेश पारित कर दिया और गंगा पत्नी हरिराम नायक निवासी सुभाषपुरा के पक्ष में विरासत दर्ज कर दी। पीड़ित महेंद्र कुमार के अनुसार जब उन्हें इस कार्रवाई की जानकारी मिली तो वह 19 सितंबर 2025 को अपने खाते की नकल लेने चकबंदी लेखपाल अतुल गुप्ता के पास पहुंचे, लेकिन लेखपाल ने नकल देने से इनकार कर दिया। आरोप है कि लेखपाल ने कहा कि भूमि संबंधी कार्रवाई पूरी कर दी गई है और वह अपनी शिकायत कहीं भी कर सकते हैं।

अघोषित बिजली कटौती से भड़के शहरवासी

ललितपुर। शहर में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती के खिलाफ लोगों का गुस्सा आखिरकार सड़क पर फूट पड़ा। भीषण गर्मी और रातभर हो रही बिजली कटौती से परेशान शहर के एक सैकड़ा से अधिक लोग आधी रात अपने बच्चों और बुजुर्गों को साथ लेकर जिलाधिकारी आवास पहुंच गए और वहां धरना देकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। देर रात हुए इस प्रदर्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि पिछले कई दिनों से शहर में बिना किसी पूर्व सूचना के घंटों बिजली काटी जा रही है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। भीषण गर्मी के चलते छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों की हालत खराब हो रही है। लोगों ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण हालात दिन-ब-दिन बदतर होते जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि हाल ही में सदर विधायक द्वारा बिजली संकट को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर विद्युत आपूर्ति सुचारू रखने के निर्देश दिए गए थे।

राजघाट रोड हरदीला में शराब दुकान का विरोध तेज

श्रीमानजी, हम पढ़ना चाहते हैं, छात्र-छात्राओं ने डीएम से लगाई गुहार कोचिंग, लाइब्रेरी और मंदिर जाना हुआ बंद, छात्राओं ने सुरक्षा को बताया बड़ा मुद्दा

ललितपुर। राजघाट रोड हरदीला क्षेत्र में संचालित शराब की दुकान को लेकर अब स्थानीय छात्र-छात्राओं का आक्रोश खुलकर सामने आने लगा है। क्षेत्र के दर्जनों छात्र-छात्राओं ने जिलाधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी को सामूहिक प्रार्थना पत्र सौंपकर शराब दुकान को आबादी से हटाकर अन्य स्थान पर स्थानांतरित किए जाने की मांग की है। छात्रों का कहना है कि दुकान के कारण क्षेत्र का माहौल लगातार खराब हो रहा है और इसका सीधा असर उनकी पढ़ाई, मानसिक स्थिति और सुरक्षा पर पड़ रहा है। प्रार्थना पत्र में छात्र-छात्राओं ने भावुक अपील करते हुए लिखा कि वह सभी प्रतियोगी परीक्षाओं एवं शैक्षणिक तैयारी में जुटे हुए हैं, लेकिन शराब दुकान के आसपास असामाजिक तत्वों के जमावड़े के कारण अब उनका कोचिंग जाना, लाइब्रेरी जाना और बाजार तक निकलना मुश्किल हो गया है। छात्रों ने प्रशासन से कहा कि हम पढ़ना चाहते हैं, हमारी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

टैक्सी स्टैंड के सामने शराब दुकान, छात्राओं में भय

छात्रों ने बताया कि जिस स्थान पर शराब की दुकान संचालित हो रही है, उसके ठीक सामने टैक्सी स्टैंड स्थित है, जहां से छात्र-छात्राएं कोचिंग और लाइब्रेरी आने-जाने के लिए वाहन लेते हैं। शाम के समय यहां शराबियों की भीड़ लगने से छात्राओं को भारी असुरक्षा महसूस होती है। कई बार अभद्र टिप्पणियों और असहज माहौल का सामना भी करना पड़ता है। छात्राओं ने कहा कि अंधेरा होने के बाद स्थिति और अधिक भयावह हो जाती है, जिसके चलते अभिभावकों ने बेटियों को अकेले बाहर भेजना लगभग बंद कर दिया है। अब कई छात्र-छात्राओं की कोचिंग और लाइब्रेरी जाना तक रुक गया है।

माता मंदिर के पास दुकान से धार्मिक भावनाएं भी आहत

स्थानीय लोगों ने बताया कि शराब दुकान से करीब 30 से 40 कदम की दूरी पर माता का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं, छात्राएं एवं श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचते हैं, लेकिन शराब दुकान के कारण मंदिर परिसर के आसपास का वातावरण प्रभावित हो रहा है। महिलाओं ने भी इस पर नाराजगी जताई है।

पिसनारी बाग में स्थानांतरण की मांग

छात्र-छात्राओं ने प्रशासन से मांग की है कि शराब दुकान को तत्काल वर्तमान स्थान से हटाकर पूर्व प्रस्तावित स्थान पिसनारी बाग में स्थानांतरित किया जाए, ताकि क्षेत्र का माहौल सामान्य हो सके और छात्र-छात्राएं बिना भय के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। प्रार्थना पत्र पर समृद्धि, आराध्य, आयुषी, प्राची, प्रतीक, श्रेयांश, कार्तिकेय, मनु शुक्ला, रूपल, आर्यन सहित अनेक छात्र-छात्राओं के हस्ताक्षर मौजूद हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय और महिला आयोग को भी भेजी शिकायत

मामले की गंभीरता को देखते हुए छात्रों ने अपनी शिकायत की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री कार्यालय लखनऊ, जिला आबकारी अधिकारी ललितपुर तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार को भी भेजी है। छात्रों और अभिभावकों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

जनगणना-2027 के उत्कृष्ट कार्य पर 13 प्रगणक सम्मानित

अधिशासी अधिकारी दिनेश विश्वकर्मा ने फूलमाला पहनाकर बढ़ाया टीम का उत्साह

ललितपुर। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नगर पालिका परिषद के 13 प्रगणकों एवं सुपर वाइजरों को शुक्रवार को सम्मानित किया गया। सुपर मार्केट स्थित आईसीसीसी जनगणना कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में चार्ज अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा ने सभी कर्मियों को फूलमाला पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। अधिशासी अधिकारी दिनेश विश्वकर्मा ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद घर-घर जाकर जनगणना कार्य को गति देना अत्यंत सराहनीय एवं जिम्मेदारीपूर्ण कार्य है। उन्होंने सभी प्रगणकों और सुपर वाइजरों की मेहनत, लगन और कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा करते हुए कहा कि लगातार फील्ड मॉनिटरिंग के चलते जनगणना कार्य में तेजी आई है और निर्धारित समय में कार्य पूर्ण कराने के लिए टीम पूरी सक्रियता से कार्य कर रही है। सम्मानित होने वाले प्रगणकों में ब्लॉक संख्या-186 के चन्द्रमोहन चौबे, ब्लॉक-246 के प्रवीण सोनी, ब्लॉक-01 के भगवान सिंह, ब्लॉक-02 के वीरेन्द्र, ब्लॉक-81 के चन्द्रविनोद मिश्रा, ब्लॉक-302 के आदेश, ब्लॉक-134 की प्रियंका सक्सैना, ब्लॉक-235 के दिनेश कुमार विश्वकर्मा, ब्लॉक-129 के मनोहरलाल नामदेव, ब्लॉक-126 की साधना पटैरिया, ब्लॉक-127 की मीना जैन, ब्लॉक-289 की स्मृति सिंह तथा ब्लॉक-145 के दीपेन्द्र कुमार शामिल रहे। इसके अलावा सुपर वाइजर अनिल पटैरिया, शक्ति सिंह अहिरवार एवं मनोज कुमार को भी सम्मानित किया गया। चार्ज अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण में भवन गणना का कार्य कराया जा रहा है। नगर क्षेत्र को कुल 311 ब्लॉकों में विभाजित किया गया है, जहां प्रत्येक ब्लॉक में एक प्रगणक एवं उनकी निगरानी के लिए सुपर वाइजर तैनात किए गए हैं। अब तक 13 ब्लॉकों का कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष 298 ब्लॉकों में कार्य तेजी से जारी है। उन्होंने बताया कि नियमित निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग के माध्यम से शेष कार्य भी शीघ्र पूरा कराया जाएगा। कार्यक्रम में जनगणना लिपिक हबीब खान, अमित पाराशर, फील्ड ट्रेनर शक्ति सिंह अहिरवार, अंकित तिवारी, आशीष मालवीय, अभिषेक सिंह, देवकी कुशवाहा सहित नगर पालिका परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

एसपी ने शुक्रवार परेड का किया निरीक्षण

उत्कृष्ट प्रशिक्षुओं को किया सम्मानित

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स में आयोजित साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परेड की ड्रिल, अनुशासन, ड्रेस कोड एवं तालमेल की गुणवत्ता का सूक्ष्म अवलोकन किया तथा पुलिसकर्मियों को अनुशासन और कार्यकुशलता बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उच्च टर्नआउट एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में रि.कां.सुनील कुमार पाल थाना कोतवाली को 1000 रुपये, रि.कां. पुष्पेन्द्र सिंह थाना जखौरा को 500 रुपये, रि.म.कां.मनीषा कुमारी थाना जाखलौन को 1000 रुपये तथा रि.म.कां.शालिनी थाना जाखलौन को 500 रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित शस्त्रागार, परिवहन शाखा, भोजनालय, क्वार्टर गार्ड, कैंटीन एवं कंट्रोल रूम सहित विभिन्न शाखाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव तथा संसाधनों की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। डायल-112 के पीआरवी वाहनों का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान वाहनों में लगे वायरलेस सेट, जीपीएस ट्रैकर, टैब एवं अन्य आपातकालीन उपकरणों की कार्यशीलता की जांच की गई। पुलिस अधीक्षक ने पीआरवी स्टाफ को आमजन के प्रति संवेदनशील एवं सेवा भाव से कार्य करने के निर्देश देते हुए रिस्पॉन्स टाइम को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। पुलिस अधीक्षक द्वारा अर्दली रूम का आयोजन कर विभिन्न शाखाओं के रजिस्टरों का अवलोकन किया गया तथा विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाहियों, शिकायतों एवं लंबित पत्रावलियों की समीक्षा कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। उन्होंने परेड में शामिल पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार भारद्वाज, प्रतिसार निरीक्षक जगदीश चन्द्र सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

चलती ट्रेन में यात्री की जेब कटी, वीवो मोबाइल चोरी

ललितपुर। झांसी रेलखंड के अंतर्गत जीआरपी थाना ललितपुर क्षेत्र में चलती ट्रेन में मोबाइल चोरी का मामला सामने आया है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर निवासी युवक का सफर के दौरान अज्ञात चोर ने जेब से महंगा मोबाइल पार कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर जीआरपी ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जनपद के थाना पनिहार क्षेत्र निवासी रामलखन कौरव (22) पुत्र राकेश कौरव 29 अप्रैल 2026 को ट्रेन संख्या 12617 मंगला एक्सप्रेस के जनरल कोच में पनवेल से ग्वालियर की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान जब ट्रेन ललितपुर स्टेशन के पास पहुंची, तभी उन्होंने अपना मोबाइल चेक किया तो वह गायब मिला। पीड़ित ने बताया कि उनका वीवो कंपनी का वाई-एस6 मॉडल मोबाइल, जिसकी कीमत करीब 19,999 रुपये बताई गई है, पेट वाली जेब में रखा हुआ था। काफी तलाश करने के बाद भी मोबाइल का कोई पता नहीं चल सका।

मौसम विभाग का रेड अलर्ट जारी, डीएम ने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की

100 किमी प्रति घंटा तक चल सकती हैं तेज हवाएं, भारी बारिश और आकाशीय बिजली की चेतावनी

ललितपुर। मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जिले के लिए आगामी दो दिनों का रेड अलर्ट जारी किया गया है। संभावित भारी वर्षा, आंधी-तूफान, अतिवृष्टि और आकाशीय बिजली को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने जनपदवासियों से सावधानी बरतने और सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करने की अपील की है। जिलाधिकारी ने कहा कि मौसम विभाग के अनुसार 29 मई को मौसम का प्रभाव सबसे अधिक रहने की संभावना है। इस दौरान 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जबकि कुछ स्थानों पर हवा की गति 100 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। उन्होंने नागरिकों से आंधी-तूफान के दौरान घरों के अंदर सुरक्षित रहने, पुराने पेड़ों, कमजोर दीवारों, बिजली के खंभों और बड़े होर्डिंग्स के नीचे खड़े न होने की सलाह दी है। प्रशासन द्वारा सभी संबंधित विभागों को अलर्ट जारी करते हुए आपदा नियंत्रण कक्ष को 24 घंटे सक्रिय रखने के

निर्देश दिए गए हैं। पुलिस, स्वास्थ्य, विद्युत, नगर निकाय, सिंचाई, लोक निर्माण और आपदा प्रबंधन विभाग को समन्वय बनाकर त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों, खंड विकास अधिकारियों तथा नगर निकायों के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नगर निकायों को जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रखने, नालों की सफाई कराने और जलभराव वाले क्षेत्रों पर निगरानी रखने के लिए कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग को जिला अस्पताल, सीएचसी, पीएचसी और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर दवाइयों, एम्बुलेंस और आपात चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं विद्युत विभाग को जर्जर तारों और पोलों की समीक्षा कर मरम्मत दल सक्रिय रखने के लिए कहा गया है। आपदा विशेषज्ञ आरती सिंह के अनुसार एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी उत्तर प्रदेश से पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ रहा है, जिसके प्रभाव से 28 मई से 31 मई तक प्रदेश के कई हिस्सों में तेज आंधी, ओलावृष्टि और व्यापक वर्षा होने की संभावना है। इसके साथ ही तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। प्रशासन ने आपात स्थिति में पुलिस और अग्निशमन सेवा के लिए 100 एवं 101, एम्बुलेंस सेवा के लिए 108 और 102 तथा जिला नियंत्रण कक्ष के नंबर 1077 और 05176-272613 पर संपर्क करने की अपील की है।

धनी बैंक का फर्जी कर्मचारी बनकर युवक से 20 हजार रूपए की ठगी

कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज

ललितपुर। धनी बैंक का कर्मचारी बनकर कम ब्याज पर लोन दिलाने का झांसा देकर एक ग्रामीण से ऑनलाइन ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित की शिकायत पर स्थानीय पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने के बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) न्यायालय के आदेश पर तालबेहट कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम पवा निवासी हरप्रसाद (44) पुत्र प्यारेलाल के मोबाइल पर 2 मार्च 2026 को एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम टूटू पासवास बताते हुए स्वयं को धनी बैंक का कर्मचारी बताया और कम ब्याज दर पर 5 लाख रुपए का लोन दिलाने का भरोसा दिया। आरोपी ने लोन प्रक्रिया पूरी कराने के नाम पर फाइल चार्ज और अन्य शुल्क जमा कराने की बात कही। बैंक कर्मचारी समझकर हरप्रसाद उसकी बातों में आ गए और आरोपी द्वारा बताए गए यूपीआई आईडी पर तीन किश्तों में 2,550 रुपए, 8,900 रुपए तथा 8,900 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। इस प्रकार जालसाज ने कुल 20,350 रुपए की रकम ठग ली। पीड़ित के अनुसार रकम भेजने के बाद भी आरोपी लगातार जीएसटी और अन्य चार्ज के नाम पर अतिरिक्त पैसों की मांग करता रहा। जब आरोपी ने दोबारा 13 हजार रुपये जमा करने को कहा, तब हरप्रसाद को अपने साथ ठगी होने का अहसास हुआ। इसके बाद उन्होंने तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। साइबर सेल की कार्रवाई के चलते आरोपी के पंजाब एंड सिंध बैंक खाते पर होल्ड लगाए जाने की जानकारी सामने आई है। पीड़ित का आरोप है कि उन्होंने मामले की शिकायत तालबेहट कोतवाली में भी की थी, लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। कार्रवाई न होने पर उन्होंने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मयंक जायसवाल की अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। न्यायालय ने मामले को गंभीर मानते हुए थाना प्रभारी को तत्काल एफआईआर दर्ज कर विवेचना करने के निर्देश दिए।

अल्फाजों का उजाला बुझा, मगर रोशन रहेंगी बशीर बद्र की गजलें

मशहूर शायर को भावभीनी श्रद्धांजलि, साहित्य प्रेमियों ने याद किए उनके यादगार अशआर

ललितपुर। उर्दू गजल की दुनिया के मशहूर शायर बशीर बद्र के निधन से साहित्य जगत में शोक की लहर है। उनकी शायरी ने दशकों तक मोहब्बत, तन्हाई, रिश्तों और जिन्दगी की सच्चाइयों को बेहद सादगी और गहराई केसाथ लोगों के दिलों तक पहुंचाया। उनके निधन को साहित्य प्रेमी एक युग के अंत के रूप में देख रहे हैं। प्रख्यात शायर बशीर बद्र की गजलें केवल किताबों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि आम लोगों की जुबान और एहसास का हिस्सा बन गई। उनकी चर्चित गजल आंखों में रहा दिल में उतर कर नहीं देखा, कश्ती के मुसाफिर ने समुंदर नहीं देखा, आज भी इंसानी रिश्तों की गहराई और अधूरी समझ को बेहद खूबसूरती से बयान करती है। उनकी शायरी में प्रेम, संवेदना और जीवन की विडम्बनाएं बेहद सहज भाषा में सामने आती थीं। पत्थर मुझे कहता है मिरा चाहने वाला, मैं मोम हूँ उस ने मुझे छू कर नहीं देखा, जैसे अशआर उनकी संवेदनशीलता और रिश्तों की नासमझी को उजागर करते हैं। इसी तरह उनकी मशहूर रचना ऐसा लगता है जिन्दगी तुम हो, अजनबी जैसे अजनबी तुम हो, मोहब्बत की गहराई और जीवन में प्रेम के महत्व को अभिव्यक्त करती है। उनकी गजलों में दर्द चीखता नहीं था, बल्कि चुपचाप दिल में उतर जाता था। स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार सिद्धार्थ शर्मा ने बशीर बद्र को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनसे जुड़ा एक भावुक संस्मरण साझा किया। उन्होंने बताया कि उनके स्व.पिता प्रो. भगवत नारायण शर्मा का बशीर बद्र साहब से एक यादगार साहित्यिक संवाद हुआ था। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी

में परीक्षा मूल्यांकन कार्य के दौरान रेलवे वेटिंग रूम में दोनों की मुलाकात हुई और साहित्य पर ऐसी चर्चा शुरू हुई कि कई ट्रेनें छूट गईं, यहां तक कि बशीर बद्र साहब का आरक्षित टिकट वाली ट्रेन भी निकल गई। देर रात तक चली वह साहित्यिक बातचीत आज भी परिवार की अमूल्य स्मृति बनी हुई है। सिद्धार्थ शर्मा ने कहा कि बशीर बद्र की शायरी आने वाली पीढ़ि?ों को हमेशा यह सिखाती रहेगी कि सादगी में भी गहरी बात कही जा सकती है। उनके शब्द, उनके अशआर और उनकी गजलें हमेशा साहित्य प्रेमियों के दिलों को रोशन करती रहेंगी। अंत में उन्होंने बशीर बद्र साहब को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके अल्फाज हमेशा जिन्दा रहेंगे और दिलों को रोशनी देते रहेंगे।

वर्धमान जैन बने अध्यक्ष, धन्यकुमार को मंत्री पद की जिम्मेदारी

ललितपुर। श्रीमहावीर दिगंबर जैन संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की कार्यकारिणी समिति के चुनाव शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया एड.अभय कुमार जैन एवं डा.कमलेश कुमार की देखरेख में संपन्न कराई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ पं.संतोष कुमार जैन शास्त्री द्वारा मंगलाचरण के साथ किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष पद पर वर्धमान जैन को निर्विरोध चुना गया। वहीं उपाध्यक्ष पद पर राजेंद्र कुमार बंटी अधिवक्ता एवं रतनचंद्र जैन मड़ावरा को जिम्मेदारी सौंपी गई। अरविंद कुमार जैन को प्रबंधक तथा धन्यकुमार जैन को मंत्री चुना गया।

» न्यूज कैप्सूल »

कंपनी पर कर्मचारियों के वेतन गबन करने का लगाया आरोप

झांसी। स्थानीय निकाय सफाई कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष धीरज चंडारिया नें नगर आयुक्त नगर निगम कों पत्र देकर बताया कि आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों के पी.एफ.के बारे में जानकारी व आने वाली कठिनाइयों कों दूर करने की मांग की। पत्र में अवगत कराया गया की ?ब सें नगर निगम में नव नियुक्त एफ.बी.ट्रेडर्स कंपनी आई हैं तब सें कई आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों के वेतन सें पैसा तों काटा जा रहा हैं परन्तु मोबाईल पर ना ही मैसेज आ रहा हैं ना ही पैसा भविष्य निधि में जमा किया जा रहा हैं जों पैसे का गबन करना प्रतीत होता हैं। जिलाध्यक्ष द्वारा बताया गया की कई वर्षों पहले झाँसी की ही एक कंपनी नें नगर निगम के ही कुछ अधिकारी बाबूओं सें मिलकर वर्षों तक आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों के वेतन सें भविष्य निधि के नाम पर पैसा काटते हुए लाखों रूपये का गबन किया गया और काटा हुआ पैसा कर्मचारियों के पी.एफ खातों में जमा नहीं किया। संघ द्वारा कई बार उच्च अधिकारियों कों उक्त प्रकरण सें अवगत कराया परन्तु लेखा विभाग की मिली भगत सें कोई ठोस कार्यवाही नहीं की। संघ नें कहा की ऐसी पुनरूवृद्धि ना हो इस ओर कोई ठोस निर्णय कार्य योजना बनाये जाने के साथ वर्तमान में तैनात कंपनी सें प्रतिमाह पी.एफ.के पैसे जमा करने वाले चांलानों के प्रपत्र जमा किये जाने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल में जिलाध्यक्ष धीरज चंडारिया. अशोक करोसिया. बब्लू गाचले. अरविन्द पुजारी. संजय भारती. आकाश .नितिन. आदि उपस्थित रहें।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु ऑनलाइन आवेदन करें 31 जुलाई तक

झांसी। जिला प्रोबेशन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार पटेल ने अवगत कराया है कि महिला व बाल विकास मन्त्रालय भारत सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष 18 वर्ष से कम के बच्चों द्वारा बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा पर्यावरण, कला और संस्कृति, तथा विज्ञान और प्रौधौगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरूस्कार से सम्मानित किया जाता है। उन्होंने बताया कि जनपद के ऐसे बालक बालिकाएं जिन्होंने बहादुरी सामाजिक सेवा पर्यावरण कला और संस्कृति, तथा विज्ञान और प्रौधौगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की है, वे भारत सरकार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन करते हुए 31 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन करे।

यूपी संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा में बॉडी वॉर्न कैमरों से होगी लाइव मॉनिटरिंग

झांसी। उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा के सफल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुरक्षित संचालन हेतु इस वर्ष विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा अत्याधुनिक तकनीक आधारित व्यापक सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था लागू की जा रही है। प्रदेश के 72 जनपदों में आयोजित होने वाली इस परीक्षा के लिए कुल 1011 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 4.45 लाख अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा संचालन की निगरानी एवं समन्वय के लिए विभिन्न जनपदों एवं शहरों में कुल 170 विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों की तैनाती की गई है। परीक्षा की गोपनीयता, सुरक्षा, पारदर्शिता एवं मानक संचालन प्रक्रिया के पूर्ण अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा पहली बार सभी विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों को अत्याधुनिक बॉडी वॉर्न कैमरे उपलब्ध कराए गए हैं। यह कैमरे केवल वीडियो रिकॉर्डिंग तक सीमित नहीं होंगे, बल्कि इनमें लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग, ऑडियो रिकॉर्डिंग, टू-वे कम्युनिकेशन, जीपीएस आधारित लोकेशन ट्रैकिंग, इमरजेंसी अलार्म तथा इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से सीधा डिजिटल कनेक्शन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित प्रदेशभर में कार्यरत सभी टीमों की गतिविधियों की रियल टाइम म ॉनिटरिंग की जाएगी। यह नियंत्रण केंद्र परीक्षा प्रक्रिया के प्रत्येक चरण पर सतत निगरानी रखेगा तथा आवश्यकता प?ने पर तत्काल दिशा-निर्देश भी जारी करेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह हाईटेक निगरानी व्यवस्था परीक्षा से जु? कार्यों की मॉनिटरिंग परीक्षा के दिन 31 मई को प्रात: 4 बजे से प्रारंभ कर देगी। विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों के अपने निर्धारित स्थानों के लिए प्रस्थान करने से लेकर परीक्षा सामग्री प्राप्त करने, ट्रेजरी तक पहुंचने, प्रश्नपत्र एवं उत्तर पुस्तिकाओं को सुरक्षित रूप से विभिन्न परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने, परीक्षा संचालन की निगरानी की जायेगी।

लक्ष्मी तालाब बचाओं अभियान शुरु करो ?ों खर्च के बाद भी जलकुंभी जस की तस

झांसी। बुंदेलखंड तालाब संरक्षण समिति के संयोजक डॉ. सुनील तिवारी के नेतृत्व में लक्ष्मी तालाब पर सर्वदलीय बैठक हुई। इस मौके पर तालाब की सफाई के लिये श्रमदान कर रहें जल योद्धाओं का सम्मान किया गया।

बहुचर्चित कचहरी चौराहा गोलीकाण्ड: आठ दोषमुक्त, आठ पर दोष सिद्ध

संजय वर्मा फायरिंग प्रकरण में आया फैसला, कचहरी बनी छावनी

सबसे चर्चित और बड़ी घटना थी, सजा पर फैसला सुरक्षित

शहर के चर्चित जमीन कारोबारी और रसूखदार है संजय वर्मा

झांसी। सात वर्ष पूर्व कारोबारी संजय वर्मा पर दिन दहाड़े कार पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर उनके निजी सुरक्षा कर्मी की हत्या करने वाले आरोपियों को आज न्यायालय विशेष न्यायाधीश ई सी एक्ट अनुभव द्विवेदी की अदालत ने फैसला सुनाते हुए आठ आरोपियों को दोष सिद्ध कर दिया। वही आठ आरोपी पर साक्ष्य के अभाव में दोष साबित नहीं होने पर उन्हें दोष मुक्त कर दिया। दोष सिद्ध आरोपियों की सजा पर फैसला सुरक्षित रखा है। शनिवार को दोष सिद्ध आरोपियों को सजा सुनाने के लिए फैसला सुरक्षित रखा गया है।

अभियोजन की ओर से पैरवी कर रहे शासकीय अधिवक्ता देवेंद्र पंचाल, देवेश श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर के बड़े कारोबारी थाना शहर कोतवाली मजदूरों वाली गली निवासी हाल विश्विद्यालय के पास निवासी संजय वर्मा 21 जुलाई 2018 को कचहरी से अपनी तारीख पेशी कर कार से सवार होकर घर जा रहे थे। जैसे ही उनका काफिला कचहरी चौराहे से बस स्टैंड जाने वाले मोड़ पर पहुंचा तभी बीएसए कार्यालय के पुस्तकालय भवन के गेट के निकट बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने उनकी गाड़ी पर बंदूकों से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी। इस घटना में संजय वर्मा ओर उनकी गाड़ी का चालक घायल हो गए थे। वही उनके साथ मौजूद उनका निजी सुरक्षा कर्मी की गोलियां लगने से मौत हो गई थी। वही संजय वर्मा ओर उनकी गाड़ी का चालक बंदूकों से हुई फायरिंग में घायल हो गए थे। संजय वर्मा की तहरीर पर नवाबाद थाना पुलिस ने लाली गैंडा उर्फ संदीप गुप्ता, रिंकू गैंडा, राजेंद्र गुर्जर, मुनेंद्र गुर्जर उर्फ पुष्पेंद्र गुर्जर, राव राजा, गुर्जर, प्रहलाद गुर्जर, उधम सिंह, सोनू गैंडा, भारत सिंह गुर्जर, सरदार सिंह गुर्जर, कमलेश यादव, गौरव उर्फ मोंटी, सागर राणा, नितेश पटवारी, रोहित, रोहतास के खिलाफ धारा 148,149,302,120 वी, 307 के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए विवेचना जारी कर आरोपियों की गिरफ्तारी कर उन्हें जेल भेजा था। इन आरोपियों में से कुछ आरोपी सरदार सिंह गुर्जर ओर उसके भाई पहले जेल में मौजूद थे। पुलिस ने जेल में बंद आरोपियों को 120 वीं का आरोपी बनाया था। इस मुकदमे की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने आज आठ आरोपियों पर दोष सिद्ध हो गया ओर आठ आरोपी साक्ष्य के अभाव में दोष मुक्त कर दिए गए है। न्यायालय दोष सिद्ध आरोपियों पर फैसला सुरक्षित रख सजा पर फैसला अगली तारीख पर सुनाया जाएगा।

हो चुकी सीबीसीआईडी जांच, सीजीएम कोर्ट ने लिया था संज्ञान

झांसी। इस मामले में आरोपी बनाए गए एक आरोपी सोनू गैंडा ने इस पूरे प्रकरण में सीबीसीआईडी जांच कराई थी। जिसमें सीबीसीआईडी जांच कर रहे निरीक्षक का विवेचना के पूर्व तबादला हो गया था और वह न्यायालय में विवेचना संबंधी दस्तावेज दाखिल नहीं कर पाए थे। जिस पर आरोपी सोनू गैंडा के खिलाफ न्यायालय ने गैर जमानती वारंट जारी कर दिया था। इस पर आरोपी ने विवेचनाधिकारी के द्वारा की गई जांच रिपोर्ट में क्लीन चिट मिलने वाला दस्तावेज खुद न्यायालय में दाखिल कर दिया था। जिस पर सीजेएम कोर्ट ने आरोपी द्वारा अपने पक्ष में विवेचक का दस्तावेज दाखिल करने पर खासी नाराजगी व्यक्त की थी ओर सोनू गोंडा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर विवेचक के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिए थे।

अखबार खबर पढ़कर प्रसन्न हुए थे आरोपी

कारोबारी संजय वर्मा की हत्या करने के लिए बाहर से शूटर बुलवाए गए थे। शूटर घटना को अंजाम देकर बाइक से भाग निकले थे। इनका एक सीसीटीवी कैमरे में तस्वीर कैद हुई थी जिसके बाद पुलिस इनकी तलाश में जुटी थी। सीसीटीवी कैमरे में कैद शूटर बिल्कुल साधारण लिवास ओर पैरों में चप्पल पहने थे। घटना के बाद अगले दिन समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित के बाद काफी खुश थे हमलावर क्योंकि उनका कही कोई नाम प्रकाश में नहीं आया था। यह बात शूटरों ने गिरफ्तारी के बाद कबूली थी।

सबसे चर्चित और बड़ी घटना थी चौराहे की

दिनदहाड़े कारोबारी संजय वर्मा पर फायरिंग में उनके अंगरक्षक की मौत की घटना जिले में सबसे बड़ी घटना बन गई थी। करीब दिन दहाड़े ताबड़तोड़ गोलियों से चार पहिया गाड़ी को छलनी करने ओर अंगरक्षक की मौत के बाद जनपद में दहशत जैसा माहौल बन गया था।

अभियोजन ने दोहराया था क्राइम सीन

आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने को अभियोजन की ओर से पैरवी कर रहे एडीजीसी क्राइम मृदुलकांत श्रीवास्तव ओर उनकी टीम ने तीन वर्ष पूर्व घटना स्थल पर पहुंच कर क्राइम सीन दोहराया था। जिसमें यह जांच की गई थी कि हमलावरों ने कितनी दूरी से संजय वर्मा ओर उनकी गाड़ी को निशाना बनाया था।

नवाबाद थाना के बाद उरई जिले की पुलिस ने की थी विवेचना

अपने ऊपर हुए जान लेवा हमला ओर अंगरक्षक की मौत की रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद कारोबारी संतुष्ट नहीं दिखे थे। जिस पर इस मुकदमे की विवेचना उरई जिले के एट थाना स्थानांतरित कर दी थी। एट थाना प्रभारी तत्कालीन देवेंद्र दुबे ने इस पूरे प्रकरण की विवेचना करते हुए आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया था।

ट्रायल लेने के बहाने एक्सयूवी गाड़ी लेकर भागा शातिर

महाकाल कार बाजार की घटना, पुलिस तलाश में जुटी

झांसी। सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के नदनपुरा स्थित कार बाजार पर पहुंचे एक शातिर युवक ने एक्सयूवी गाड़ी खरीदने की बात कहकर उसकी ट्रायल लेने की बात कहकर गाड़ी लेकर रफू चक्कर हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक दयासागर साहू सीपरी बाजार के नंदनपुरा में रहते है। यही घर के नजदीक ही उनकी जय महाकाल कार बाजार के नाम से दुकान है। दयासागर ने बताया कि वह चार पहिया गाड़ी की खरीद फरोख्त ओर बेचने का कारोबार करते है। एक गाड़ी एक्सयूवी क्रमांक यूपी 93 ड्डश्च 1413 उन्होंने अमित यादव से ली थी। जिसे बेचने के लिए वह अपने कार बाजार पर रखे थे। दयासागर साहू ने बताया कि आज सुबह करीब ग्यारह बजे एक व्यक्ति उनकी कार बाजार पर आया ओर उसने एसयूवी गाड़ी खरीदने की बात कही। युवक ने कहा कि वह गाड़ी खरीदने से पहले ट्रायल लेगा। इस पर दयासागर ने उस व्यक्ति के साथ अपने पुत्र रोशन साहू को साथ भेज दिया। गाड़ी वही व्यक्ति चला रहा था रोशन उसके बगल वाली सीट पर बैठा था। कार बाजार से कुछ दूरी पर चलने पर गाड़ी में डीजल डलवाने के लिए बाधवा पेट्रोल पंप पर गाड़ी लगाई। रोशन गाड़ी से नीचे उतर गया ओर गाड़ी में पांच सौ रुपए का डीजल डलवाने लगा। मशीन में जैसे ही तीन सौ रुपए का डीजल हुआ तभी गाड़ी में बैठा वह युवक गाड़ी तेज़ रफ्तार में लेकर भाग गया। पेट्रोल पंप पर सेल्समैन के हाथ में नोजल ही रह गया ओर काफी डीजल जमीन पर गिर गया। लेकिन युवक दिन दहाड़े गाड़ी तेज़ रफ्तार में लेकर भाग निकला। रोशन ने शोर भी मचाया लेकिन जब तक शातिर युवक गाड़ी लेकर रफू चक्कर हो गया। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 को दी गई। सूचना पर पहुंची डायल 112 ओर थाना सीपरी बाजार पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर गाड़ी की तलाश जारी कर दी है।

स्कूल, कॉलेज बिना फिटनेस के वाहन चलाने पर विद्यालय की मान्यता होगी रद्द: जिलाधिकारी

48 अनफिट स्कूली वाहन किसी भी दशा में स?क पर नहीं चलें

झांसी। कलेक्ट्रेट नवीन सभागार में जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में जिलाविद्यालय व परिवहन सुरक्षा समिति जिला स?क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने बैठक मे समीक्षा के दौरान क? तेवर दिखाते हुए अधिकारियों प्रधानाचार्यों एवं स्कूल प्रबंधकों को उनके कर्त्तव्यों का बोध कराया और कहा कि स?क पर चलने वाले प्रत्येक नागरिक बच्चे का जीवन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधक यह प्रमाणित करें कि कोई भी बच्चा बिना लाइसेंस एवं बिना हेलमेट के वाहन से स्कूल नहीं आएगा, यदि स्कूल की ड्रेस में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे द्वारा बिना लाइसेंस वाहन चलाने के दौरान यदि दुर्घटना होती है तो अभिभावक प्रधानाचार्य होंगी जिम्मेदार। बैठक में जिलाधिकारी गौरांग राठी ने एआरटीओ को निर्देशित किया की समस्त विद्यालयों के स्कूली वाहनों की जांचोपरांत 48 अनफिट स्कूली वाहन किसी भी दशा में स?क पर न चले। इसे क?ाई से सुनिश्चित किया जाए। जिला स?क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालययान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी गौरांग राठी ने नगर में यातायात व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए एडीएम प्रशासन, अपर नगर आयुक्त, एसपी सिटी एंव सीओ ट्रैफिक को पार्किंग सहित ब्लैक स्पॉट को चिन्हित करने तथा दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र पर दुर्घटनाओं को रोके जाने को लेकर प्वाइंट्स बनाए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ईलाइट चौराहे पर यातायात व्यवस्था में सुधार लाए जाने के लिए वंदना स्वीट्स सहित अन्य के आसपास वाले क्षेत्र को नो पार्किंग जोन बनाए जाने के निर्देश दिए। जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक में एआरटीओ हेमचंद्र गौतम ने बताया कि जनपद में कुल 2436 स्कूल इसमें मदरसे भी शामिल है, 2402 स्कूलों की चेकिंग कर ली गई है। जिला स?क सुरक्षा समिति की बैठक में नोडल अधिकारी अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग रजनीश गुप्ता ने नगर में विभिन्न चौराहों के चौ?ीकरण ताकि ट्रैफिक जाम को कम किया जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रामेश्वर सुधाकर सब्बनबाड, एसपी आरए डॉक्टर अरविंद कुमार, अपर नगर आयुक्त राहुल यादव,अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल, अपर जिलाधिकारी न्याय अरुण कुमार गौ?, डीआइओएस श्रीमती रती वर्मा,सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी संदीप शर्मा, एनएचएआई सहित विभिन्न स्कूलों से आये स्कूल प्रबंधक प्रधानाचार्य, बस एसोसिएशन, ट्रक एसोसिएशन, आटो एसोसिएशन के पदाधिकारी व विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

धन्वन्तरि शाखा का चतुर्थ अधिष्ठापन, दायित्व ग्रहण सम्मान समारोह आयोजित

झांसी। भारत विकास परिषद, धन्वन्तरि शाखा का चतुर्थ अधिष्ठापन ,दायित्व ग्रहण एवं सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि रवि शर्मा ,सदर विधायक एवं डॉ रश्मि आर्या,विधायिका, मऊरानीपुर रही। अधिष्ठापन अधिकारी संजय अग्रवाल,क्षेत्रीय गतिविधि संयोजक संपर्क, दीक्षा अधिकारी नंद गोपाल अग्रवाल, प्रांतीय महासचिव बुंदेलखंड प्रान्त के आतिथ्य मे कार्यक्रम आयोजित किया गया। नए पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण अधिष्ठापन अधिकारी ने कराया जिसमें डॉ दीपा राय ,अध्यक्ष, श्रीमती ममता निरंजन, सचिव, श्रीमती संगीता गुप्ता कोषाध्यक्ष ,श्रीमति शशि गुप्त, महिला सहभागिता एवं शेष कार्यकारणी का शपथ ग्रहण दीक्षा अधिकारी नन्द गोपाल अग्रवाल,प्रांतीय महासचिव, के द्वारा के द्वारा कराई गई। के के गुप्ता,गतिविधि संयोजक अवधेश निरंजन, गतिविधि संयोजकसंपर्क, श्रीमती नीलम रवि कुमार, गतिविधि संयोजकसंस्कार ,विनोद निरंजन गतिविधि संयोजकपर्यावरण, श्रीमती शशि गुप्ता गतिविधि संयोजक महिला सहभागिता की जिम्मेदारी सौंपी गई। इन सभी को शपथ शाखा अध्यक्ष डॉ दीपा राय ने दिलायी। अध्यक्ष ने गत वर्ष मे किए गए कार्यों की आख्या प्रस्तुत की। उत्कृष्ट कार्य के लिए सदस्यों को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि रवि शर्मा सदर विधायक ने अपने उद्बोधन मे कहा कि आपसी दूरियों को समाप्त कर धर्म का संचय करना होगा। मुख्य अतिथि डॉ रश्मि आर्या ने अपने उद्बोधन मे कहा कि भारत विकास परिषद सदैव भारतीय संस्कृति,संस्कार, सेवा और समर्पण की भावना को आगे ब?ाने का कार्य करती रही है। परिषद की सचिव श्रीमति ममता निरंजन ने कार्यक्रम में आए अतिथियों का आभार व्यक्त किया एवं कार्यक्रम का संचालन शाखा प्रबंधक डॉ .वी. के .निरंजन ने किया। इस अवसर पर डॉ एच पी राय, डॉ आर के निरंजन, डॉ विक्रम राजपूत, डॉ ज्ञानेंद्र, डॉ शैलेंद्र डॉ रवि कुमार जिला समन्वयक ,कुलभूषण श्रीवास्तव, मधु श्रीवास्तव, सतीश कुमार गुप्ता, ओ पी गुप्ता, श्याम अग्रवाल अध्यक्ष, हर्ष अग्रवाल कोषाध्यक्ष प्रमुख शाखा,पवन पटेल,सरिता सिंह, अभिजीत सिंह, रामेश्वर राय, राज कुमार राय, प्रमेश मिश्रा, डॉ प्रियंका तिवारी, के एस वर्मा, सीमा सरावगी,डॉ. नीलमा,हिमांशु पटेल, राकेश मेहरोत्रा सचिव प्रमुख शाखा,दीक्षा पवन पटेल, जय शंकर गुप्ता, मीरा वर्मा, श्रीमती अवनीश निरंजन आदि उपस्थित रहे।।

अधिकारियों के संरक्षण में धड़ल्ले से चल रहे अवैध नर्सिंग होम्स

झांसी। बुंदेलखंड निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष भानू सहाय मंडल आयुक्त, जिला अधिकारी के आदेश के बाद भी झांसी में ध?ल्ले से कार्यरत अवैध नर्सिंग होम्स के संबंधित विभागों द्वारा दस्तावेज उपलब्ध नहीं करवाने से खिन्न होकर जिला अधिकारी कार्यालय पर धरने पर बैठ गए। धरने पर अपर जिला अधिकारी ,नगर मजिस्ट्रेट, एस. डी. एम .आदि अधिकारियो ने धरने पर आकर बात की। झांसी विकास प्राधिकरण ने काफी दस्तावेज उपलब्ध करा दिए है। अग्निशमन अधिकारी ने कुछ दस्तावेज दिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने फिलहाल कोई दस्तावेज नहीं दिए। नगर मजिस्ट्रेट ने सात दिन के भीतर मुख्य चिकित्सा अधिकारी से उपलब्ध करा दिए जायेगे। इसके बाद धरना समाप्त हुआ। मोर्चा अध्यक्ष भानू सहाय ने बताया कि गत 2-3 सालों से मण्डल आयुक्त को पांच पत्र, जिला अधिकारी झांसी को 7 पत्र, नगर मजिस्ट्रेट के कार्यालय में 6 बैठके सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ की गई परन्तु मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सचिव झांसी विकास प्राधिकरण, मुख्य अग्नि शमन अधिकारी आदि विभाग के अधिकारियों के संरक्षण में झांसी में ध?ल्ले से चल रहे नर्सिंग होम्स से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं करवाए हैं। जिलाअधिकारी को इस आशय से दिए कि उपरोक्त विभागों द्वारा सूचना उपलब्ध नहीं करा रहे हैं इसलिए न चाहते हुए मुख्यमंत्री का पुतला फूंकने को बाध्य हैं क्योंकि उनकी सरकार में ऐसे अधिकारी जो वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर संज्ञान नहीं लेते हैं ये बर्दाशत नही होगा।

सीपरी बाजार व्यापार महासमिति का दायित्व ग्रहण समारोह संपन्न

झांसी। सीपरी बाजार व्यापार महासमिति संबंध उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के पदाधिकारी का गठन एवं दायित्व ग्रहण समारोह अत्रि चौराहे पर खियानी सभागार में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष सुधीर सिंह के मुख्य अतिथि में एवं कैट के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय पटवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्रारंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर भामाशाह के चित्र पर माल्यार्पण किया। महा समिति के अध्यक्ष संजय चड्ढा ने संरक्षक डॉक्टर एस अर्गल, किशन लाल कयानी, बलवीर सिंह सलूजा, दिलबाग सिंह भुसारी, शैलेश भाटिया,बीके पांडे, डॉक्टर राजेंद्र सिंह,चौयरमेन अजय कपूर, अध्य क्ष संजय चड्ढा, महामंत्री राजकुमार राय, संयुक्त महामंत्री अभिषेक सिंह बंटी,वरिष्ठ उपाध्यक्ष ऋषि सलूजा, ऋषि सलूजा, प्रमोद बंसल, इंद्रजीत सिंह भुसारी, संजय खयानी,अवनीश साहू, प्रवीण साहू, उपाध्यक्ष अकील अहमद, रोहित सक्सेना, राजकुमार वर्मा, राकेश खुल्लर, अश्वनी राय, नीरज भाटिया, मंत्री डी के नंदी, बद्री गुप्ता,मुकेश साहू, सुरेश तिवारी, विजय चंगानी, कोषाध्यक्ष रोहित आहूजा, संगठन मंत्री मुकेश साहू प्रचार मंत्री सिद्धार्थ पाल, राजेश कटिहार मीडिया प्रभारी सुरेंद्र गुप्ता, की घोषणा की, मुख्य अतिथि एवं अतिथियों ने सभी को माला पहनकर उनका स्वागत व अभिनंदन किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुधीर सिंह ने कहा कि व्यापारी सरकार को राजस्व देने के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी समाज एवं जनता के हितों के लिए में हमेशा सहयोग देता रहा है, अगर व्यापार मंडल संगठित है तो व्यापारियों को उत्पी?न कोई नहीं कर सकता है। अध्यक्षता कर रहे संजय पटवारी ने कहा कि व्यापारी रहे स्वाभिमान से- व्यापार करें सम्मान से इस संदेश के साथ हम सब अपना व्यापार के साथ-साथ, व्यापारिक हितों के लिए एवं समस्याओं के समाधान सजग रहते हैं, आपने कहा कि सीपरी व्यापार महासमिति समिति के गठन से व्यापारियों को एक नई ताकत मिलेगी। इस अवसर पर सैक?ो व्यापारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे संचालन व्यापारी नेता बालेश्वर पांडे एवं आभार गुड्डन अग्रवाल ने व्यक्त किया।

स्वामी निष्ठावान एडवरटाइजर्स एण्ड मीडिया प्रा.लि.,मुद्रक, प्रकाशक, श्रीमती रीता सिंह द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11, प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, भोपाल-462023, म.प्र. से मुद्रित एवं कैमासनपुरम, करगुंजी, मेडिकल कॉलज के पास, कानपुर रोड, झाँसी से प्रकाशित।
संपादकः बालेन्द्र गुप्ता पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झांसी रहेगा।) फोनः 9936277530, 9450071944, ई-मेलः balendragupta271@gmail.com आर.एन.आई.नं. UPHIN 2012/47946